दैनिक जयन्त
स्थापित : 1979
संस्थापक
स्व0 श्री नरेन्द्र उनियाल
वर्ष-45, अंक 103
कोटद्वार सोमवार
7 अगस्त 2023, पृष्ठ-8

गढ़वाल जनपद का प्रथम दैनिक

जयन्त

निर्भीक-निष्पक्ष-जनसरोकार

खबर बड़ी होती है, अखबार नहीं
दैनिक जयन्त
www.dainikjayantnews.com

कोटद्वार एवं गैरसैंण से प्रकाशित डाक पंजीयन यू.ए./पी.ए.ओ.07-2021-23 फोन नं0 01382-222383, मो0 नं0 8384897348, 9412081969 e-mail : dainikjayant@rediffmail.com, nagendra.uniyal@gmail.com मूल्य-2 रुपये

फिर हिंसा की आग में जल उठा मणिपुर, भीड़ ने 15 घरों को जलाया, एक व्यक्ति को मारी गोली

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर एक बार फिर से हिंसा की आग में जल उठा है। इंफाल पश्चिम जिले में भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया और 15 घरों को आग के हवाले कर दिया। इस दोरान एक 45 वर्षीय व्यक्ति को गोली मार दी गई। गोली व्यक्ति की जांघ पर जाकर लगी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को तुरंत इलाज के लिए श्रेत्रीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया, फिलहाल व्यक्ति खतरे से बाहर है। घटना शनिवार शाम को लैंगोल खेल गांव में हुई है।

हिंसा की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों के जवानों ने मौके पर पहुंचकर भीड़ और हालात पर काबू पाने के लिए मोर्चा संभाला। भीड़ को खदेड़ने के लिए सुरक्षाबलों ने आंसू गैस के गोले दागे। हालांकि रविवार सुबह तक स्थिति में सुधार हो गया है लेकिन सुरक्षा के प्रबंध जारी हैं।बता दें कि इससे पहले शुक्रवार की रात को बिष्णुपुर जिले में मैतेई समुदाय के तीन लोगों की हत्या कर दी गई थी।

पीएम मोदी ने लांच की 'अमृत भारत स्टेशन योजना'

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के भर में कुल 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य की रविवार को आधारशिलाएं रखीं। 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत विकसित किए जाने वाले ये स्टेशन 27 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में फैले हैं। पीएम मोदी ने इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों को यहां से वीडियो कांफ्रेंसिंग सुविधा के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा, "अमृत भारत स्टेशन भारतीय रेल के कायाकल्प की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को नयी ऊंचायी प्रदान करेंगे। " प्रधानमंत्री कार्यालय ने इस योजना को ' एक ऐतिहासिक पहल ' की संज्ञा दी है और कहा कि सरकार देश में अत्याधुनिक सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाना चाहती है।

पीएम मोदी ने रेलवे को देश भर में लोगों के परिवहन का पसंदीदा साधन बताते हुए रेलवे स्टेशनों पर विश्व स्तरीय सुविधाएं

देशभर के 508 रेलवे स्टेशनों की बदलेगी सूरत

उपलब्ध कराने के महत्व पर जोर दिया और कहा कि इस सोच और सपने की प्रेरणा के साथ देश भर में 1309 स्टेशनों के पुनर्विकास कार्य के लिए अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की गई है। इन 508 स्टेशनों के पुनर्विकास पर 24,470 करोड़ रुपए से अधिक की खच आने का अनुमान है। इनके अंतर्गत शहर के दोनों ओर को समुचित सड़क संपर्क सुविधाओं के साथ 'सिटी सेंटर' के रूप में विकसित करने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। सरकार का कहना है कि अमृत भारत स्टेशन योजना एकीकृत दृष्टिकोण रेलवे स्टेशन के आसपास के क्षेत्र पर केंद्रित शहर के समग्र शहरी विकास के विजन से प्रेरित है।

इन 508 स्टेशन देश में उत्तर प्रदेश में 55, राजस्थान में 55, बिहार में 49, महाराष्ट्र में 44, पश्चिम बंगाल में 37, मध्य प्रदेश में 34, असम में 32, ओडिशा में 25, पंजाब में 22, गुजरात में 21, तेलंगाना में 21, झारखंड में 20, आंध्र प्रदेश में 18, तमिलनाडु में 18, हरियाणा में 15, कर्नाटक में 13 स्टेशन शामिल हैं। एक सरकारी विज्ञप्ति के अनुसार पुनर्विकास कार्य से अच्छी तरह से सुव्यवस्थित यातायात सुविधा, इंटर-मॉडल एकीकरण और यात्रियों के मार्गदर्शन के लिए अच्छी तरह से डिजाइन किए गए चिह्नों को सुनिश्चित करने के साथ-साथ यात्रियों के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। स्टेशन भवनों का डिजाइन स्थानीय संस्कृति, विरासत और वास्तुकला से प्रेरित होगा।

पिथौरागढ़ में दो दिन में चार बार डोली धरती, चीन सीमा पर था केंद्र, दहशत में ग्रामीण

धारचूला/पिथौरागढ़। उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में शनिवार की देर रात और रविवार की सुबह सीमांत जिले की धरती भूकंप से चार बार डोली। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 4.2, 2.7, 2.7 और 2.8 मैग्निट्यूड दर्ज की गई है। चारों भूकंप का केंद्र चीन सीमा पर 10 किलोमीटर की गहराई पर था। वहीं, स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने सात बार भूकंप के झटके महसूस किए हैं।

जिला आपदा प्रबंधन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार की रात एक बजकर 34 मिनट पर भूकंप आया। भूकंप की तीव्रता 4.2 मैग्निट्यूड जबकि केंद्र गुंजी में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का दूसरा झटका रात एक बजकर 37 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता 2.7 और केंद्र कालापानी में 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप का तीसरा झटका रात 2 बजकर 48 मिनट पर आया। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मैग्निट्यूड और केंद्र चीन सीमा पर 10 किलोमीटर की गहराई पर था।

टिहरी में बारिश से टूटी दीवार, घर में सो रहे दो बच्चे मलबे में दफन

जोशीमठ के ग्वाड में फटा बादल

टिहरी, एजेंसी। टिहरी जिले के तहसील धनोल्टी के ग्राम मरोड़ा में रात्रि में हुई बारिश से एक घर की दीवार टूट गई। इस दौरान अंदर सो रहे दो बच्चों की मलबे के ढेर में दबने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। वहीं दूसरी तरफ जोशीमठ के ग्वाड में बादल फटने की सूचना है।

मरोड़ा में प्रवीण दास के मकान के पीछे की दीवार टूटी। बच्चों के दादा प्रेमदास (60) के पैर पर हल्की चोट आई है। बच्चों के माता-पिता दूसरे कमरे में सो रहे थे। चंबा थानाध्यक्ष एल एस बुटोला ने बताया कि बीती रात 2 बजे के लगभग मरोड़ा क्षेत्र में जमकर बारिश हुई है।

सूचना पर राजस्व उप निरीक्षक ल्वारखा,पुलिस चौकी सत्यो रात को मौके पर पहुंची। बच्चों को मलबे से निकाला गया। दोनों बच्चों को 108 सेवा की मदद से पीएचसी सत्यो पहुंचाया गया, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बादल फटने से सैकड़ों नाली भूमि बर्बाद

जोशीमठ विकास खंड के थेग गांव के ग्वाड तोक में बादल फटा। ग्रामीण रात में घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर गए। गांव में पेयजल लाइन, रास्ते, कई मकान खतरे की जद में आ गए। जबकि सैकड़ों नाली भूमि बर्बाद हो गई। गांव के बादल फटने की जानकारी ग्राम प्रधान महावीर सिंह पंवार दी।

मृतकों के नाम

-स्नेहा पुत्री प्रवीण दास उम्र 12 वर्ष

- रणवीर पुत्र प्रवीण दास उम्र 10 वर्ष मृतक।

ज्ञानवापी के तहखाने से निकली मूर्तियां

वाराणसी, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला में स्थित ज्ञानवापी परिसर में लगातार दूसरे दिन शनिवार को भारतीय पुरातत्व विभाग (एएसआई) की टीम ने सर्वे किया। एएसआई के अतिरिक्त महानिदेशक आलोक त्रिपाठी के नेतृत्व में 60 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने सुबह नौ बजे से वैज्ञानिक सर्वेक्षण का काम शुरू किया, जो शाम पांच बजे तक चला। इस दौरान सर्वे टीम के साथ ज्ञानवापी परिसर में मौजूद सरकारी वकील राजेश मिश्रा ने बताया कि शनिवार को दूसरे दिन के सर्वेक्षण कार्य में हिंदू पक्ष के साथ मुस्लिम पक्ष के पांच लोग भी शामिल हुए। इससे पहले शुक्रवार को हुए सर्वे कार्य में मुस्लिम पक्ष शामिल नहीं हुआ था। दूसरे दिन के इस सर्वे में ज्ञानवापी परिसर में मौजूद तहखाने को खोला गया और एएसआई की टीम ने अंदर सर्वे किया।

इस दौरान मस्जिद के गुंबद का भी सर्वे किया गया और उसकी तस्वीरें ली गईं। इस बीच ज्ञानवापी परिसर में सर्वे की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, जिसके बारे में हिंदू पक्ष का दावा है कि ये प्राचीन मूर्तियां हैं। इस केस के हिंदू पक्षकारों में शामिल सीता साहू ने दावा किया कि ज्ञानवापी परिसर की पश्चिमी दीवार पर आधे पशु आधे मनुष्य की प्रतिमा दिखी।

शारदा के जलस्तर को देखते हुए रेड अलर्ट, बैराज पर रोके गए वाहन, बदरीनाथ-यमुनोत्री हाईवे कई जगह बंद

बनबसा(टनकपुर)/जोशीमठ/ उत्तरकाशी। उत्तराखंड के कई जिलों में भारी बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं। नदियों के बढ़ते जलस्तर से लोग दहशत में हैं। कुमाऊं मंडल के टनकपुर बनबसा में शारदा नदी के जलस्तर को देखते हुए रेड अलर्ट जारी किया गया है। सुरक्षा के लिहाज से बैराज पर वाहनों को रोक दिया गया है।

बनबसा में शारदा का जल स्तर 103149 क्यूसेक पहुंचा। जिसके चलते रेड अलर्ट जारी किया गया। वहीं बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पागलनाला, टंगणी, हेलंग,मारवाडी पुल के समीप अवरूद्ध है। यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग भी कल्याणी हरेती के पास मार्ग बाधित है।

प्रदेश में बारिश अपना कहर बरपा रही है। गौरीकुंड में हुए भारी भूस्खलन में 20 लोग लापता है।

IHMS KOTDWAR
17 Years of Excellence in Education
ESTD. 2006
ISO 9001-2015 Certified
Institute of Hospitality, Management & Sciences
Admissions Open 2023
"Journey Towards Excellence"
AVAILABLE PROGRAMMES
M.B.A. 2 Years
FIRST AICTE APPROVED COLLEGE IN REGION
B.H.M. 4 Years
B.Sc. IT 3 Years
B.B.A. 3 Years
B.C.A. 3 Years
C.H.M. 1 Year
• Attractive Scholarships
• Industrial Tour
• Value Added Courses @ 0% cost
• Internship in Leading Companies
Mob.: 7902000023, 8057726863
Balbhadrapur, B.E.L. Road, Kotdwar-246149(UK)
Email:Info@ihms.ac.in, ihmskotdwar1@gmail.com | Web: www.ihms.ac.in

आज से शुरू होगी रोडवेज बस सेवा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः मालन पुल ढहने के बाद बीते 13 जुलाई से बंद पड़ी भाबर की रोडवेज बस सेवा सोमवार से शुरू हो जाएगी।

बीते 13 जुलाई को कोटद्वार–भाबर मार्ग पर मोटाढांक के पास मालन पुल टूट गया था। तब से इस मार्ग पर रोडवेज बस सेवा बंद पड़ी है। बस सेवा बंद होने से भाबर के यात्रियों को ज्यादा पैसा देकर ऑटो, ई–रिक्शा व जीप टैक्सियों में आवाजाही करनी पड़ रही है। मालिनी किसान पंचायत के अध्यक्ष जेपी बहुखंडी और सचिव मधूसूदन नेगी समेत संगठन के लोगों ने उत्तराखंड परिवहन निगम के स्थानीय सहायक महाप्रबंधक राकेश कुमार का ध्यान इस ओर दिलाया।

सहायक महाप्रबंधक राकेश कुमार ने सोमवार से भाबर के लिए बस सेवा शुरू कराने की भरोसा क्षेत्रीय ग्रामीणों और संगठनों के पदाधिकारियों को दिलाया है। बस सेवा शुरू होने लोगों की आवाजाही सुगम हो सकेगी।

लापरवाह सरकारी सिस्टम, सड़क पर खड़े हैं भारी वाहन

राष्ट्रीय राजमार्ग के साथ ही मुख्य मार्गों पर दुर्घनाओं का बना है अंदेशा

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही सरकारी सिस्टम आमजन को यातायात नियमों के पालन की सीख दे रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है महकमा स्वयं की जिम्मेदारियों को लेकर लापरवाह बना हुआ है।

हालत यह है कौड़िया से सिद्धबली तक राष्ट्रीय राजमार्ग पर बेतरतीब तरीके से खड़े भारी वाहन सड़क दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। बावजूद इसके सरकारी सिस्टम इनकी ओर ध्यान देने को तैयार नहीं है। सबसे अधिक दुर्घटनाओं का अंदेशा रात के समय बना रहता है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में शायद ही कोई ऐसी सड़क हो जहां आपको सड़क किनारे भारी वाहनों की लंबी कतार न दिखाई दे। दिन–रात सड़क पर पार्क हुए इन वाहनों से हर समय दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। सबसे बुरी स्थिति कौड़िया से सिद्धबली राष्ट्रीय राजमार्ग पर बनी रहती है।

जबकि, उक्त मार्ग पर ही शहरवासी सबसे अधिक आवाजाही करते हैं। यही स्थिति कौड़िया से मवाकोट के मध्य व पटेल मार्ग से आर्मी कैंटीन तक बनी रहती है। देवी रोड में भी जगह–जगह खड़े वाहन आमजन के लिए सिरदर्द बने हुए हैं।

बीच सड़क से आवाजाही

सड़क पर बेतरतीब खड़े भारी वाहनों के कारण शहरवासियों का सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोगों को फुटपाथ के बजाय बीच सड़क से होकर गुजरना पड़ता है। जिससे दुर्घटनाओं का अंदेशा बना रहता है। सबसे अधिक चिंता स्कूली बच्चों की बनी रहती है। व्यवस्थाओं में सुधार के लिए शहरवासी कई बार उच्च अधिकारियों से गुहार भी लगा चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

कोटद्वार के नजीबाबाद रोड में सड़क पर खड़े भारी वाहन

मार्ग पर गुलदार की धमक, दहशत में ग्रामीण

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी। चौबट्टाखाल–गवाड़ी मोटर मार्ग पर गुलदार की धमक से लोग खौफजदा हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं वन विभाग का कहना है कि गुलदार की लगातार के दिखने से क्षेत्र में वन विभाग ने गश्त बढ़ाने के साथ ही पिंजरा लगाने के लिए अनुमति मांगी है।

चौबट्टाखाल– गवाड़ी मोटर मार्ग पर इन दिनों गुलदार की दशहत बनी हुई है। इस मार्ग पर राहगीर जाने से डरने लगे है। गुलदार के खुलेआम दिखने से दुपहिया वाहन सवार और पैदल चलने वालों की मुश्किलें बढ़ गई है। जंगली जानवर के डर से दुपहिया वाहन चालक चोटिल हो रहे हैं। वृहस्पतिवार को इंटर कॉलेज चौबट्टा में तैनात शिक्षिका सुनीता नवानी अपने घर गवाड़ी से स्कूटी में सवार होकर सुबह के वक्त स्कूल जा रही थी। इसबीच अचानक मार्ग पर गुलदार आ धमका और महिला पर हमला करने लगा जिससे वह डर गई, किसी तरह से वह गुलदार से बचकर स्कूल पहुंची।सामाजिक कार्यकर्ता जितेंद्र सिंह नेगी ने कि गुलदार के डर से ग्रामीणों का जीना मुहाल हो गया। वे अपने घरों से निकलने से बच रहे हैं।

उन्होंने वन वन विभाग से गुलदार प्रभावित क्षेत्र में गश्त बढ़ाने के साथ निजात दिलाने की गुहार लगाई है। इधर, डीएफओ गढ़वाल प्रभाग स्वप्निल अनिरूद्ध ने कहा कि गुलदार प्रभावित क्षेत्र में गश्त बढ़ाई दी गई है। साथ ही गुलदार को पकड़ने को पिंजरा लगाने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र लिखा गया है। अनुमति मिलते पिंजरा लगाया जाएगा।

चौबट्टाखाल के अंतर्गत दमदेवल मोटर मार्ग पर हुई घटना

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः चौबट्टाखाल के अंतर्गत दमदेवल मार्ग पर मोटरसाइकिल से जा रहे एक बीएलओ पर गुलदार ने हमले का प्रयास किया। बीएलओ ने घटनास्थल पर मोटरसाइकिल छोड़ अपनी जान बचाई। ग्रामीणों को गुलदार को कैद करने के लिए क्षेत्र में पिंजरा लगवाने की मांग की है।

बीएलओ की ड्यूटी पर तैनात शिक्षक विनोद रावत आसपास के गांव में वोटर लिस्ट से संबंधित कार्य से जा रहा था। इसी दौरान दमदेवल मार्ग पर दांथाधार के समीप झाड़ियों ने निकला गुलदार विनोद की मोटरसाइकिल का पीछा करने लगा। हमले के लिए जैसे ही गुलदार ने झपटा मारा मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई। इसके बाद विनोद ने साहस का परिचय देते हुए दौड़कर गुलदार से अपनी जान बचाई। विनोद रावत वर्तमान में राजकीय जूनियर हाईस्कूल चमनाऊं सौंडल में शिक्षक के पद पर कार्यरत है। जिन्हें घर–घर सत्यापन अभियान के लिए बीएलओ की जिम्मेदारी दी गई है।

वहीं, घटना से आकोशित ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में पिंजरा लगाकर गुलदार को कैद करने की मांग की है। कहा कि गुलदार की धमक से ग्रामीणों में दहशत बनी हुई है।

आसपास के गांव में वोटर लिस्ट सत्यापन को जा रहा था बीएलओ

दमदेवल मार्ग पर गिरी बीएलओ की मोटरसाइकिल

सैनेटरी नैपकिंग व छाते बांटे

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः दिल्ली की संस्था टच यूवर सोलर द्वार विभिन्न विद्यालयों में सैनेटरी नैपकिंग व छाते वितरित किए गए। संस्था के स्थानीय कोर्डिनेटर भानु प्रकाश बमराड़ा ने बताया कि संस्था की ओर राजकीय इंटर कॉलेज कमलपुर, कोट, ल्वाली, उजियाड़ी, दोंदल, देवप्रयाग, क्यार्क, बहेड़ाखाल, नाहसैंण, कांसखेत, खोलाचौरी, आदि विद्यालयों में सैनेटरी नैपकिंन व छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इसी अभियान के तहत राइंका कालेश्वर में सैनेटरी व नैपकिन छात्राओं को वित तिर किए। इस दौरान प्रधानाचार्य उत्तम कुमार सिंह ने संस्था के कार्यों की सराहाना की।

रिखणीखाल में आफत बनी बारिश, कर्तिया में ढहा भवन का हिस्सा, गांव को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग भी हुआ बंद

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः रिखणीखाल ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम कर्तिया में भारी बारिश के दौरान एक भवन का हिस्सा ढह गया। जिस समय घटना हुई उस समय परिवार के सदस्य दूसरे कमरे में थे। जिससे एक बड़ा हादसा होने से बच गया। वहीं, गांव को जोड़ने वाले संपर्क मार्ग भी मलबे के कारण बंद पड़ा हुआ है। ऐसे में ग्रामीणों को कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है।

कर्तिया गांव में बीते शनिवार शाम तेज वर्षा शुरू हो गई थी। इसी दौरान अचानक मनोहर प्रसाद के भवन का एक हिस्सा ढह गया। गनीमत यह रही कि उस समय मनोहर प्रसाद व उनकी पत्नी बीना देवी भवन के दूसरे कमरे में थे। भवन का हिस्सा ढहने से कमरे में रखा सामान मलबे में दब गया। जिससे उन्हें काफी अर्थिक नुकसान भी हुआ है। मनोहर प्रसाद व उनकी पत्नी ने दूसरी जगह शरण ली। वहीं, रथुवाढाब से कर्तिया को जोड़ने वाला मार्ग भी पिछले एक सप्ताह से बंद पड़ा हुआ है। जगह–जगह मलबा आने से सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क को खुलवाने की मांग की है। कहा कि सड़क बंद होने से सबसे अधिक परेशानी बीमार व्यक्ति को अस्पताल तक पहुंचाने में हो रही है।

रिखणीखाल के कर्तिया गांव में ढहा भवन का हिस्सा

शतरंज के उद्घाटन मैच में ईशा ने आयुषी को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः कड़क पहाड़ी खेल प्रोत्साहन समिति के तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव के पहले दिन शतरंज प्रतियोगिता हुई। उद्घाटन मैच में ईशा ने आयुषी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। बालक वर्ग में महर्षि विद्या मंदिर के शिव प्रजापति ने जय भारती पब्लिक स्कूल के फैजान को हराया। अन्य मैचों में ब्लूमिंग वेल पब्लिक स्कूल की आयुषी ने एसजीआरआर पब्लिक स्कूल लालपानी की चारु, जबकि एसजीआरआर कोटद्वार के अलंकृत कंडारी ने हैप्पी होम स्कूल के अतुल रावत को हराया। प्रतियोगिता में 21 विद्यालयों के छात्र–छात्राएं प्रतिभाग कर रहे हैं। इस दौरान सुनील रावत, संजीव थपलियाल, शिवचरण धस्माना, शुभम कश्यप और संजीव बिष्ट आदि मौजूद रहे।

डिफेंस कालोनी स्थित सरस्वती भवन में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि सूबेदार मेजर विजय पाल सिंह रावत (सेवानिवृत्त), पार्षद सुभाष पांडेय, प्रवेंद्र सिंह रावत, सेवा भारती के उपाध्यक्ष दलजीत सिंह और पंजाब एंड सिंध बैंक के सेवानिवृत्त एजीएम कृष्ण कुमार रावत ने संयुक्त रूप से किया। उन्होंने कहा कि शतरंज के खेल से बच्चों में और सोचने–समझने की शक्ति विकसित होती है। कार्यक्रम संयोजक अंचल कुमार अग्रवाल ने बताया कि 8 अगस्त को समिति का वार्षिकोत्सव मनाया जाएगा। उद्घाटन मैच में सेंट जोसेफ पब्लिक स्कूल की ईशा ने बलूनी पब्लिक स्कूल की आयुषी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

फलदार पौधों का किया रोपण

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः द्वारीखाल ब्लाक के चमोलीसैंण में फलदार पौधरोपण लगाए गए। चमोलीसैंण के पंचायतघर के समीप आयोजित कार्यक्रम में ब्लाक प्रमुख महेंद्र राणा ने आम के पौध का रोपण किया। साथ ही ग्राम प्रधान व ग्रामवासियों द्वारा भी फलदार पौधरोपण किए गए।

कार्यक्रम में प्रमुख ने कहा कि हम पौधरोपण तो कर रहे हैं लेकिन उनकी देखभाल नही कर रहे हैं। हमारा यह कार्यक्रम तभी सफल होगा जब हम इन पेड़ो के देखभाल का जिम्मा भी लें। इस समय ब्लाक द्वारा 58 हजार फलदार पौध का वितरण किया गया है। लेकिन इस पौधों की देखरेख हमें स्वयं की करनी है व गत वर्ष रोपित पौधे का भी रिकार्ड रखे कि कितने सही स्थिति में हैं। फलदार पौध से हमारी आमदनी में वृद्वि होगी हमें अपने घर में ही रोजगार मिलेगा। पेड़ लगाने से हमारा पर्यावरण शुद्व रहेगा। जिससे अनेकों बीमारियों से बचा जा सकेगा। ग्राम पंचायत में 250 आम के पौधों का रोपण किया गया।

अनियमित बारिश बिगड़ते ग्लोबल वार्मिंग की चेतावनी

कोटद्वारः खिर्सू ब्लाक के राइंका चोपड़ा में शुक्रवार राजनीति विज्ञान शाखा द्वारा ग्लोबल वार्मिंग विषय पर संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया । स्कूल में राजनीति विज्ञान प्रवक्ता मयंक उनियाल द्वारा यह नई पहल शुरू की गई है। जिसके द्वारा विद्यार्थी समसामयिक विषयों पर चर्चा कर सकेंगे। इस कार्यक्रम में कक्षा 12 के छात्र–छात्राओं शुभम, नरेंद्र, गुंजन पंत, मीनाक्षी, मनीषा, रंजना, शांति ,सिमरन, स्वाति, तृप्ति ने इस विषय पर अपनी बात रखते हुए इससे पड़ने वाले प्रभावों, बचाव के उपाय, वैश्विक स्तर पर चल रहे प्रयासों के बारे में अपने–अपने विचार रखे। साथ ही सभी छात्रों ने इसपर भी एक राय व्यक्त की कि हमें हमारे पर्यावरण व परिस्थितिकी को लेकर भी अधिक संजीदा होने की आवश्यकता है तभी सामूहिक प्रयासों से इस वैश्विक समस्या से निपटा जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में विषय अध्यापक मयंक उनियाल ने ग्लोबल वार्मिंग के बारे में बताया कि वर्तमान समय में हो रही अनियंत्रित, अनियमित बारिश ग्लोबल वार्मिंग का सबसे बड़ा स्पष्ट प्रभाव है। कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से विद्यार्थियों में जहां एक ओर व्यक्तित्व विकास होगा, वहीं इससे उनकी समसामयिक मुद्दों पर भी रुचि एवं ज्ञान में वृद्धि होगी। इस मौके पर प्रधानाचार्या उर्मिला, कक्षाध्यापक ललिता शाह शामिल रहे। संचालन स्वाति, गुंजन ने किया।

नौटियाल बने बर्सू गांव के सरपंच

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय के करीबी गांव बर्सू में वन पंचायत सरपंच एवं सदस्यों निवार्चन किया गया जिसमें नरेंद्र प्रसाद नौटियाल को सर्वसम्मति से गांव का सरपंच बनाया गया।

इस मौके पर सभी ग्रामीणों ने उन्हें बधाई दी और बेहतर कार्य की अपेक्षा जताई। बर्सू ग्राम पंचायत के प्रधान अनूप सेमवाल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सभी ग्रामीणों की मौजूदगी में चुनाव प्रक्रिया हुई। इस दौरान निर्वाचन आयोग की तरफ से राजस्व उप निरीक्षक पुनाड़, उप निरीक्षक वन विभाग एवं अन्य कर्मी मौजूद थे। चुनाव से पूर्व एक राय बनते हुए सभी ने सर्वसम्मति से नरेंद्र प्रसाद नौटियाल को अध्यक्ष चुन लिया।

प्रशासन ने दो दिनों में हटाए 80 ढाबे

रुद्रप्रयाग। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच 5 किमी की दूरी में संवेदनशील स्थानों पर बनाए गए कच्चे और पक्के ढाबों को हटाने के लिए प्रशासन की कार्रवाई दूसरे दिन भी जा रही रही। हालांकि प्रशासन का कहना है कि सुरक्षा की दृष्टिगत यह कार्रवाई की जा रही है। कुछ लोगों द्वारा स्वतः ही डर के कारण अपने ढाबे हटा लिए गए हैं। दो दिनों के भीतर प्रशासन ने 80 कच्चे व पक्के ढाबो को हटा लिया है।

गौरीकुंड में भूस्खलन की घटना के बाद प्रशासन हरकत में आया है। सोनप्रयाग और गौरीकुंड के बीच बने सौ से भी अधिक बाहरी लोगों के ढाबों को हटाने की कार्रवाई की जा रही है। हालांकि प्रशासन का तर्क है कि जहां संवेदनशील स्थान हैं और दुर्घटना का खतरा बना है, उन्हीं लोगों को अपने ढाबे हटाने को कहा गया, जिन्होंने स्वयं ही हटाने में सहयोग दिया है।

रविवार को एसडीएम ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा के निर्देशों पर ऊखीमठ तहसील की राजस्व टीम ने करीब 40 ढाबे हटाए जिनमें अधिकांश कच्चे थे। जबकि शनिवार को भी इतनी ही संख्या में ढाबे हटाए गए। दो दिनों के भीतर करीब 80 ढाबे हटाए गए हैं जबकि प्रशासन द्वारा 190 लोगों को नोटिस दिए गए हैं। एसडीएम ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा ने बताया कि 70 फीसदी अस्थाई ढाबे लगाए गए थे जिनमें अधिकांश लोगों ने स्वयं ही हटाए। प्रशासन द्वारा महज उन्हें सूचित किया गया था।

रोजगार उजाड़ने से लोगों में आक्रोशः गौरीकुंड और सोनप्रयाग में यात्रा से बड़ी संख्या में स्थानीय एवं बाहरी लोगों का रोजगार जुड़ा है। नेपाली मूल के अधिकांश लोग यहां हर साल कारोबार करने आते हैं, किंतु प्रशासन की कार्रवाई से उनमें काफी आक्रोश है। नेपाल निवासी राम बहादुर, दिल बहादुर, राखी देवी आदि ने कहा कि प्रशासन ने जिन लोगों के ढाबे तोड़े उन्हें सामान हटाने का वक्त भी नहीं दिया, जिससे बड़ी मात्रा में उन्हें नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि यहां लोग सीजन में रोजी रोटी के लिए आते है, किंतु प्रशासन की एकतरफा कार्रवाई से लोगों को काफी नुकसान उठाना पड़ा।

जोशीमठ में बारिश से 50 लाख तक का नुकसान

चमोली। शनिवार की रात से शुरू हुई मूसलाधार बारिश का दौर रविवार को भी जारी रहा। रविवार को रूक रूक कर दिन भर भारी बारिश होती रही। शनिवार रात की बारिश के बाद जोशीमठ में जगह–जगह भू कटाव शुरू हो गया है। जिससे लोगों में डर है। नुकसान का जानकारी लेने के लिए पालिका की टीम ने नगर के सभी क्षेत्रों का दौरा किया।ईओ भारत भूषण पंवार ने बताया कि जोशीमठ नगर को शनिवार रात्रि हुई बारिश से 50 लाख से अधिक का नुकसान हुआ है। कहा कि इस बारिश से सिंहधार व सुनील वार्ड में रास्ते, नाली, सुरक्षा दीवारें और रेलिंग कई जगह टूट गई हैं, बताया कि पूरी रिपोर्ट सोमवार को प्रशासन को भेजी जायेगी।औली में भी भूस्खलन से पेयजल लाइन टूटीः भारी बारिश के कारण औली में चियर लिफ्ट टावर नम्बर दो के निकट भारी भूस्खलन शुरू हो गया है और यहां पर दो बड़े बोल्डर ऊपर से नीचे गिर गए हैं। जिस कारण से यहां पर दी गई सुरक्षा दीवार को खतरा हो गया है। साथ ही इस भूस्खलन से जीएमवीएन की पेयजल लाइन भी टूट गई है।

शिविर में दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाए

नई टिहरी। राइंका भल्लेगांव में आयोजित दिव्यांग शिविर में 12 दिव्यांग जनों के प्रमाण पत्र बनाये गए, जिसमें तीन महिला दो बच्चे शामिल हैं। क्षेत्रीय विधायक ने शिविर में दिव्यांग जनों को व्हीलचेयर भी बांटी। समाज कल्याण विभाग की ओर से राजकीय इंटर कॉलेज भल्लेगांव में आयोजित दिव्यांग शिविर का विधायक विनोद कंडारी ने शुभारंभ किया। शिविर में दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाने के लिये दूरस्थ क्षेत्र से लोग पहुंचे थे। जिला दिव्यांग एवं पुनर्वास केंद्र की ओर से विधायक ने दिव्यांग व्यक्ति को व्हीलचेयर दी। विधायक ने कहा कि वह विधानसभा क्षेत्र में दिव्यांग जनों हेतु ऐसे शिविर आयोजित करते रहेंगे।

भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक बने देवप्रयाग के शुभम

नई टिहरी। भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में वैज्ञानिक अधिकारी का प्रशिक्षण ले रहे देवप्रयाग निवासी शुभम ध्यानी ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित किया है। शुभम ने यहां परमाणु संयंत्र भौतिकी विषय में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते प्रथम स्थान हासिल किया। जिस पर केंद्र द्वारा शुभम को भाभा पदक व प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। शुभम के पिता सुशील ध्यानी व माता कुसुम ध्यानी ने बेटे के इस प्रदर्शन को गौरव बढ़ाने वाला बताया। श्री बदरीश युवा पुरोहित संगठन के अनुसार, शुभम की इस उपलब्धि से तीर्थ पुरोहित समाज सहित पूरे प्रदेश का गौरव बढ़ा है।

गौरीकुंड में सर्च अभियान में बाधा बन रहा मौसम

रुद्रप्रयाग। गौरीकुंड में हुए भूस्खलन से लापता लोगों का पता लगाने के लिए तीसरे दिन भी 5 टीमों द्वारा सर्च एंड रेस्क्यू अभियान जारी रहा। हालांकि केदारनाथ और गौरीकुंड में बारिश के चलते रेस्क्यू का कार्य रुक–रुक कर होता रहा। जिस तेजी से कार्य होना वह खराब मौसम और मंदाकिनी के जल स्तर के बढ़ने के कारण प्रभावित रहा। वहीं रुद्रप्रयाग बाईपास से नरकोटा एवं धारी देवी से श्रीनगर डैम तक भी सर्च एवं रेस्क्यू अभियान चलाया गया किंतु देर सांय तक कुछ भी पता नहीं लग पाया है। बीते गुरुवार को गौरीकुंड में रात्रि को हुई भूस्खलन की घटना के बाद 23 लोग लापता बताए गए। 3 लोगों के लापता होने की सूचना उनके परिजनों द्वारा प्रशासन को दी गई। वहीं तीन शव बरामद कर लिए गए थे किंतु 20 लोगों का अभी भी कोई पता नहीं लग पाया है। प्रशासन ने जिन तीन शवों की शिनाख्त की है उनमें तीनों नेपाली मूल के हैं। लापता अन्य बीस लोगों की खोजबीन का काम जारी है। रविवार को भी एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आईटीबीपी, डीडीआरफ, वाईएमएफ, पुलिस, फायर सर्विस एवं जिला प्रशासन की टीमों ने खोजबीन का काम जारी रखा। एसडीएम ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा ने बताया कि शिनाख्त होने के बाद तीनों शवों का बीती देर रात पोस्टमार्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। जिनका अंतिम संस्कार भी कर लिया गया।

इन लोगों के शवों की हुई शिनाख्तः

–देवी बहादुर उम्र 45 पुत्र प्रदीप ग्राम मामन नेपाल

–टेक बहादुर पुत्र धनसुर ग्राम मामन नेपाल

–प्रकाश टम्टा पुत्र रघु ग्राम मामन नेपाल

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि उत्तराखण्ड

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

उत्तराखण्ड को महत्व देने के लिए प्रधानमंत्री जी का धन्यवाद। हम निश्चित रुप से मोदी जी की आकांक्षाओं का उत्तराखण्ड बनाएंगे। प्रदेश के लिए उनका योगदान वृहद है। उत्तराखण्ड से उनका रिश्ता मर्म एवं कर्म का है। प्रधानमंत्री मोदी के मागर्दशन में प्रदेश नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड आज जिस तरह से कानून व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास के अभियान को आगे बढ़ा रहा है, वो बहुत सराहनीय है। ये इस देवभूमि की पहचान को संरक्षित करने के लिए भी अहम है। और मेरा विश्वास है कि देवभूमि आने वाले समय में पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना के आकर्षण का केंद्र बनेगी। हमें इस सामर्थ्य के अनुरुप भी उत्तराखण्ड का विकास करना होगा।

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

विकास के नवरत्न

1

केदारनाथ-बद्रीनाथ धाम में 1300 करोड़ रुपए से पुनर्निर्माण का कार्य।

2

गौरीकुण्ड-केदारनाथ, गोविंदघाट-हेमकुंड साहिब रोपवे।

3

मानसखण्ड मंदिर माला मिशन।

4

4000 से अधिक होम स्टे विकसित।

5

16 ईको टूरिज्म डेस्टिनेशन का विकास।

6

AIIMS, ऋषिकेश का उधमसिंहनगर में सैटेलाइट सेंटर।

7

2 हजार करोड़ रुपए की लागत से टिहरी लेक डेवलेपमेंट।

8

एडवेंचर टूरिज्म व योग का केन्द्र बना उत्तराखण्ड।

9

टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइन का विकास।

- चारधाम ऑल वेदर रोड
- दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे
- वन्देभारत एक्सप्रेस ट्रेन
- पर्वतमाला परियोजना से प्रदेश में रोपवे कनेक्टिविटी
- ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना
- पर्यटन हब, एडवेंचर टूरिज्म, फिल्म शूटिंग डेस्टिनेशन के रुप में उभरता उत्तराखण्ड
- भारतमाला परियोजना
- एक जिला-दो उत्पाद योजना
- निवेश अनुकूल औद्योगिक नीति
- स्टार्टअप से युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन
- अटल आयुष्मान उत्तराखण्ड योजना
- स्टेट मिलेट मिशन से राज्य में पौष्टिक अनाज को बढ़ावा

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

सम्पादकीय

पहाड़ जैसा मजबूत आत्म बल

उत्तराखंड का पर्वतीय क्षेत्र अभी भी प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहा है और यहां भारी बारिश के कारण जान माल की हानि का क्रम फिलहाल थमता हुआ नजर नहीं आ रहा है। अभी गौरीकुंड में जहां बादल फटने के कारण हुआ भूस्खलन 20 लोगों की मौत का कारण बन गया, तो वही टिहरी में भी एक मकान में आया मलबा दो बच्चों को दफन कर गया है। दूसरे जनपदों में भी भारी बारिश के कारण व्यापक नुकसान की खबरें सामने आई हैं जो काफी डरा देने वाली है। राज्य सरकार की तमाम तैयारी यह भी जान माल की नानी को रोक पाने में सफल नहीं हुई है हालांकि किसी भी क्षेत्र में सूचना मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करने में भी सरकारी तंत्र ने कोई लापरवाही नहीं दिखाई है। प्राकृतिक आपदाओं के कारण कर्म की संपत्ति तो नष्ट हुई साथ ही कई लोग भी मारे गए हैं जिनमें से क्यों के तो सभी बरामद नहीं हो पाए। हर मानसून में उत्तराखंड की यही नियति है कि यहां तमाम सावधानियां के बावजूद भी व्यापक जान माल की हानि होती है मानसून से पूर्व राज्य सरकार तमाम एजेंसियों को 24 घंटे चाकचौबंद रहने के निर्देश तो देती है लेकिन प्राकृतिक कोप के आगे तैयारी कहीं ना कहीं बौनी साबित हो जाती है। बिगड़े हुए मौसम एवं जगह–जगह पर हुए भूस्खलन के कारण उत्तराखंड की विश्वविख्यात चार धाम यात्रा पूरी तरह से बाधित है, खासतौर से बद्रीनाथ एवं केदारनाथ की ओर जाने वाले मार्ग जगह–जगह से भूस्खलन की चपेट में आने के कारण क्षतिग्रस्त हो चुके हैं। हालांकि बीआरओ एवं स्थानीय प्रशासन के साथ संबंधित क्षेत्र की पुलिस छतिग्रस्त मार्गों को खोलने का प्रयास कर रही है लेकिन कई मार्ग एवम पुल इस कदर से अपना अस्तित्व खो चुके हैं कि उन्हें सुचारू रूप से प्रयोग में लाने के लिए समय लग सकता है। भारी बरसात से नुकसान का दौर अभी भी जारी है। मानसून की हर बारिश पहाड़ों में अपने पीछे विनाश के बड़े निशान छोड़ जाती है जिससे उबरने के लिए सरकार एवं क्षेत्र के लोगों को लंबी प्रतीक्षा करनी पड़ती है। उत्तराखंड की केदारनाथ आपदा हो या फिर अलग–अलग क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाएं, उत्तराखंड को हमेशा ही ना भूलने वाले गहरे जख्म दिए हैं। उत्तराखंड का आपदा तंत्र हर आधुनिक साजू समाज के साथ राहत कार्य के लिए निकलता है लेकिन पहाड़ों की विकेट विषम भौगोलिक परिस्थितियों के आगे कुछ ना कुछ कमी रहे ही जाती है। तो क्या यह मान लिया जाए कि प्रत्येक मानसून में उत्तराखंड के पहाड़ों की यही दशा रहेगी और लोग प्राकृतिक आपदाओं का शिकार बनते रहेंगे? असल में उत्तराखंड के निवासियों ने भी इन भौगोलिक परिस्थितियों के बीच प्राकृतिक आपदाओं से जूझना और लड़ना सीख लिया है। हर बड़ी घटना के बाद पहाड़ों का जीवन एक बार फिर अपनी गति पकड़ता है और लोग दिनचर्या शुरू करते हैं, पुराने जख्मों का दर्द तो हमेशा रहता है लेकिन पहाड़ी लोगों के जज्बे और हिम्मत के आगे धीरे–धीरे घटनाएं भी पुरानी होती चली जाती हैं। सरकारी तंत्र हर संभव मदद करता है लेकिन जीने की शक्ति पहाड़ों के लोग खुद अपने आत्म बल से जुटाते हैं। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्र में व्यापक भू सर्वे के साथ नई तकनीक का प्रयोग करने की जरूरत है ताकि प्राकृतिक आपदाओं का पूर्व आकलन करने के साथ ही जान माल की नानी को कम से कम किया जा सके।

मौसम का कहर : प्रकृति पर क्या दोषारोपण

डॉ. शैलेंद्र यादव

पिछले कुछ दिनों में हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, जम्मू कश्मीर और राजस्थान में हो रही अप्रत्याशित वर्षा ने कहर ढा रखा है।

इन राज्यों में बारिश और बाढ़ की भयावह तस्वीरें सामने आ रही हैं, दिल्ली में मानसून की वर्षा ने 40 साल का रिकॉर्ड तोड़ा है। दिल्ली की सडक़ें स्विमिंग पूल नजर आई। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में तो ट्रक और कारें व्यास नदी में खिलौने की तरह बहती दिखीं मकान ताश के पत्तों की तरह बिखरते।

ऐसे दृश्य भारत में ही नहीं, बल्कि विश्व के अन्य देशों में भी नजर आ रहे हैं, जहां वर्षा ने अपना कहर ढाया है। प्रकृति की मार से कोई नहीं बचा है। चाहे विकसित हों या विकासशील हों, मनुष्य का सारा विकास प्रकृति के रौद्र रूप के सामने बौना साबित हुआ है। यह प्रकृति से हो रहे खिलवाड़ का नतीजा है। आपदाओं के विकराल रूप को देखते हुए मानव पर्यावरण संबंधों की समीक्षा की जरूरत है, विद्वानों का एक समूह इन घटनाओं के लिए वैश्विक ऊष्मन और जलवायु परिवर्तन को जिम्मेदार मानता है जबकि यह सिक्के का एक पहलू ही है। इन घटनाओं के वर्तमान स्वरूप का अन्य पक्ष नजरअंदाज किया जा रहा है। आज भारत ही नहीं, बल्कि संपूर्ण विश्व पर्यावरण से संबंधित अनेक समस्याओं की चिंताओं से पूर्णतया ग्रसित है। वर्तमान समय में बड़ी ज्वलंत समस्या वैश्विक ऊष्मन (ग्लोबल वॉर्मिंग) जनित समस्या सार्वभौमिक जलवायु परिवर्तन की है।

कहा जा रहा है कि मानव जनित भूमंडलीय ऊष्मन से जलवायु में स्थानीय, प्रादेशिक और वैश्विक स्तरों पर अल्पकालिक से लेकर दीर्घकालिक परिवर्तन हो रहे हैं। यूएनओ के जलवायु परिवर्तन की अध्ययन रिपोर्ट के पैनल आईपीसीसी ने अपने अध्ययनों से प्रमाणित किया है कि भूमंडलीय स्तर पर धरातली सतह और निचले वायुमंडल के तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है, और हम लोगों ने मान लिया है कि जलवायु परिवर्तन ही समस्या की जड़ है। लेकिन विश्व स्तर पर जलवायु की दशाएं अतीत से वर्तमान तक कभी स्थिर नहीं रही, बल्कि इसमें अनेक बार परिवर्तन हो चुका है। अनेक पुरातत्विक प्रमाणों के आधार पर स्पष्ट होता है कि अतीत में अनेक बार जलवायु में भीषण परिवर्तन हो चुके हैं, जिनका प्रभाव पर्यावरण पर पड़ा था।

वर्तमान में जहां आज मरु स्थल है, वहां पहले पर्याप्त वर्षा के प्रमाण मिलते हैं। जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव पर्यावरण पर अतीत में पड़ा था। वर्तमान में भी पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं पर नजर डालें तो देखेंगे दिल्ली में सडक़ों पर प्राकृतिक स्विमिंग पूल वहीं बने हैं, जहां मानव ने पानी निकलने के रास्तों को बंद (अतिक्रमण) कर रखा है, या

नालियां कचरे से भरी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश में वही भवन गिरे हैं, जो नदियों में बने हैं, वही गाडिय़ां बही हैं, जो नदियों के रास्ते में खड़ी हैं, वही पुल बहे हैं, जो नदी का मार्ग रोक रहे हैं, वही सडक़ टूटी हैं, जो पहाड़ को काट कर बनाई गई हैं, या नदी के किनारे हैं। लंबे समय तक ऐसी घटनाओं का कारण प्राकृतिक माना जाता रहा परंतु प्राकृतिक कारक ही ऐसी घटनाओं या उनके नुकसान का एकमात्र कारण नहीं है। ऐसी आपदाओं की उत्पत्ति का संबंध मानवीय क्रियाकलाप से भी है। वनों के कटान की वजह से पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन और बाढ़, नदी के मार्ग में मानव अतिक्रमण, भंगुर पर्वतीय जमीन पर निर्माण कार्य और अवैज्ञानिक भूमि उपयोग कुछ उदाहरण हैं।

पर्यटक राज्य हिमाचल प्रदेश में विगत दशकों में पर्यटक संबंधी अवसंरचनाओं का व्यापक विकास हुआ है। होटल, रिसोर्ट, राजमार्ग का निर्माण इत्यादि मानवीय क्रियाओं ने यहां के पर्यावरण को व्यापक क्षति पहुंचाई है। ऐसी मानवीय क्रियाओं के समय पर्यावरण प्रभाव आकलन नहीं हुआ। पर्यावरणीय संवेदनशील क्षेत्र में भूमि उपयोग को सही से लागू नहीं किया गया। हिमाचल प्रदेश में व्यास नदी के आसपास के क्षेत्र में व्यापक आपदा का प्रभाव देखने को मिल रहा है, और इसका कारण नदी के बेहद करीब तक मानवीय निर्माण कार्य है। भारी अनियमित और असुरक्षित निर्माण कार्य हर तरफ हो रहा है और इन निर्माणों का कचरा भी नदियों में ही डाला जा रहा है। कमजोर पहाड़ों पर पर्यटकों की सुविधाओं के लिए फोरलेन हाइवे निकाला जा रहा है, हाइड्रो प्रोजेक्ट के लिए सुरंग बनाई जा रही है, जिससे पहाड़ और कमजोर हो रहे हैं। ये भूस्खलन को बढ़ा रहे हैं, भूस्खलन और खनन नदियों के मार्ग अवरुद्ध कर दे रहे हैं, और नदी अपना रास्ता बदल दे रही है। फलस्वरूप नदी के मार्ग में आई मानवीय संरचनाओं का नामोनिशान मिटा जा रहा है। मनाली से मंडी के बीच में ब्यास नदी ने अपना रास्ता बदल कर व्यापक क्षति पहुंचाई है।

बढ़ती जनसंख्या की मांग की पूर्ति के लिए प्राकृतिक संसाधनों का दोहन इसके फलस्वरूप प्रदूषण इस समस्या के मूल में है। विकास के दबाव अधिकतर स्थितियों में इतने अधिक होते हैं कि अल्पकालिक फायदों की आशा में खतरे को अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। आर्थिक विकास का वर्तमान स्वरूप इस संकट के लिए जिम्मेदार है।

वर्तमान में जहां आज मरु स्थल है, वहां पहले पर्याप्त वर्षा के प्रमाण मिलते हैं। जलवायु परिवर्तन का व्यापक प्रभाव पर्यावरण पर अतीत में पड़ा था। वर्तमान में भी पड़ रहा है। पिछले कुछ दिनों की घटनाओं पर नजर डालें तो देखेंगे दिल्ली में सडक़ों पर प्राकृतिक स्विमिंग पूल वहीं बने हैं, जहां मानव ने पानी निकलने के रास्तों को बंद (अतिक्रमण) कर रखा है, या नालियां कचरे से भरी हुई हैं। हिमाचल प्रदेश में वही भवन गिरे हैं, जो नदियों में बने हैं, वही गाडिय़ां बही हैं, जो नदियों के रास्ते में खड़ी हैं, वही पुल बहे हैं, जो नदी का मार्ग रोक रहे हैं, वही सडक़ टूटी हैं, जो पहाड़ को काट कर बनाई गई हैं, या नदी के किनारे हैं। लंबे समय तक ऐसी घटनाओं का कारण प्राकृतिक माना जाता रहा परंतु प्राकृतिक कारक ही ऐसी घटनाओं या उनके नुकसान का एकमात्र कारण नहीं है। ऐसी आपदाओं की उत्पत्ति का संबंध मानवीय क्रियाकलाप से भी है। वनों के कटान की वजह से पर्वतीय क्षेत्र में भूस्खलन और बाढ़, नदी के मार्ग में मानव अतिक्रमण, भंगुर पर्वतीय जमीन पर निर्माण कार्य और अवैज्ञानिक भूमि उपयोग कुछ उदाहरण हैं।

स्थायी तनाव से चुनावी फायदा

हरिशंकर व्यास

देश भर में हो रही घटनाओं को देख कर ऐसा लग रहा है मानों योजना के तहत समाज में और राजनीति में भी स्थायी तनाव पैदा किया जा रहा है। लोगों के मन में किसी न किसी मसले पर उबाल बनाए रखने की कोशिश है। लोग गुस्से में रहें और एक–दूसरे के प्रति नफरत से भरे रहें, इस बात के प्रयास किए जा रहे हैं। असल में किसी बड़े सांप्रदायिक या सामुदायिक दंगे की बजाय समाज में स्थायी तौर पर खदबदाहट बनाए रखने की रणनीति राजनीतिक रूप से ज्यादा कारगर है। दंगे से जीत की गारंटी नहीं होती है। दिल्ली में सांप्रदायिक दंगे हुए थे लेकिन उसके बाद हुए दिल्ली नगर निगम के चुनाव में भाजपा हार गई। उसका 15 साल का एमसीडी का राज खत्म हो गया। असल में बड़े दंगों में हिंदुओं का ज्यादा नुकसान होता है। उनका कारोबार ठप्प होता है और जान–माल दोनों का नुकसान होता है। इस बारे में लेखक बद्रीनारायण ने अपनी किताब 'रिपब्लिक ऑफ हिंदुत्व' में विस्तार से लिखा है।

बहरहाल, समाज में स्थायी तनाव बनाए रखने के लिए कई उपाय किए जाते हैं। वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा के शाही ईदगाह का मसला भी ऐसा ही है। जिस समय अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर का मामला अपने चरम पर था तब विश्व हिंदू परिषद का नारा था, 'अयोध्या तो झांकी है, मथुरा–काशी बाकी है'। तो अब मथुरा और काशी की बारी आ गई है। अयोध्या में मंदिर निर्माण पूरा होने वाला है। अगले साल जनवरी में वहां रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। उससे पहले ही वाराणसी और मथुरा का मामला फिर से उभार दिया गया है। अभी यह कानूनी लड़ाई के स्टेज में है लेकिन इसे लेकर जल्दी ही धार्मिक व राजनीतिक संघर्ष शुरू होने वाला है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान देकर इसकी शुरुआत कर दी है। सोचें, क्या मुख्यमंत्री को अब जाकर पता चला है कि ज्ञानवापी मस्जिद में कथित तौर पर शिवलिंग है या त्रिशूल है या दूसरे हिंदू धार्मिक प्रतीक चिन्ह बने हैं? हो सकता है कि उनको पहले से इस बारे में पता हो या अंदाजा हो लेकिन यह बात कहने के लिए इंतजार किया गया। पहले चार महिलाओं ने माता श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा–अर्चना के लिए याचिका डाली थी। उसके बाद मस्जिद के पुरातत्व विभाग से सर्वेक्षण कराने की याचिका डाली गई। और अब मुख्यमंत्री ने कहा है कि उसे मस्जिद कहा जाए तो यह विवाद की बात होगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने मुस्लिम समाज से ही उपाय सुझाने को कहा है।

जाहिर है कि जब अयोध्या का मामला निपट रहा है तो दूसरा कोई ऐसा मुद्दा होना चाहिए, जिसकी आंच सुलगती रही और चूल्हे पर चढ़ा वोट का बर्तन उबलता रहे। अगर स्थायी तौर पर समाज में उबाल बनाए रखने की मंशा नहीं होती तो एक झटके में सरकार सारे धर्मस्थलों को बदल सकती है। संसद में सरकार के पास पूर्ण बहुमत है, जिसके दम पर वह 1991 में बने धर्मस्थल कानून को बदल सकती है। लेकिन वह ऐसा नहीं कर रही है। क्योंकि एक झटके में कोई काम नहीं करना है। इसलिए मथुरा और काशी का मामला निचली अदालत से शुरू हुआ है और अभी सर्वेक्षण कराने के स्टेज पर है। सोचें, अदालतें कह रही हैं कि किसी भी धर्मस्थल का सर्वेक्षण कराने से धर्मस्थल कानून का उल्लंघन नहीं होता है। फिर किस चीज से उल्लंघन होगा? जब धर्मस्थल कानून की परवाह किए बगैर इस तरह पंडोरा बॉक्स खोला जाएगा तो फिर अंत में क्या होगा, इसका अंदाजा किसको नहीं है! अगर किसी सर्वे से पता चल जाए कि अमुक मस्जिद की जगह पहले मंदिर था तो क्या फिर हिंदुओं को उस पर दावा करने से रोका जा सकेगा? इस तरह का विवाद न हो इसलिए धर्मस्थल कानून बना था। उस कानून के रहते ही अलग अलग जगहों पर विवाद की शुरुआत हो गई है।

इसके अलावा भी कई और काम किए जा रहे हैं, जिनका मकसद समाज में स्थायी तौर पर तनाव और विभाजन बनाए रखने का है। जैसे चार साल पहले नागरिकता कानून में संशोधन किया गया। जैसे तीन तलाक को सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित करन के बाद उसे अपराध बनाने का कानून बनाया गया था। जैसे समान नागरिक संहिता की चर्चा गाहे–बगाहे छेड़ी जा रही है। जैसे मुस्लिम धर्मस्थलों पर अलग अलग हिंदू संगठनों द्वारा दावा किया जा रहा है। जैसे मुस्लिम नाम वाले शहरों, रेलवे स्टेशनों आदि के नाम बदले जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बयान देकर इसकी शुरुआत कर दी है। सोचें, क्या मुख्यमंत्री को अब जाकर पता चला है कि ज्ञानवापी मस्जिद में कथित तौर पर शिवलिंग है या त्रिशूल है या दूसरे हिंदू धार्मिक प्रतीक चिन्ह बने हैं? हो सकता है कि उनको पहले से इस बारे में पता हो या अंदाजा हो लेकिन यह बात कहने के लिए इंतजार किया गया। पहले चार महिलाओं ने माता श्रृंगार गौरी की नियमित पूजा–अर्चना के लिए याचिका डाली थी। उसके बाद मस्जिद के पुरातत्व विभाग से सर्वेक्षण कराने की याचिका डाली गई। और अब मुख्यमंत्री ने कहा है कि उसे मस्जिद कहा जाए तो यह विवाद की बात होगी। उन्होंने कहा कि मुस्लिम समाज को ऐतिहासिक गलती स्वीकार करनी चाहिए।

फलों का सेवन करते समय इन 5 गलतियों को करने से बचें, नहीं होगा नुकसान

जब फिटनेस और स्वास्थ्य की बात आती है तो फल हर किसी के लिए पोषण का पसंदीदा स्त्रोत होते हैं।हालांकि, कई लोग अनजाने में इनके सेवन के दौरान कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जो फायदे से ज्यादा नुकसान पहुंचा सकती हैं।ऐसे में आइये आज हम आपको फलों का सेवन करते समय होने वाली 5 सामान्य गलतियां बताते हैं, जिनसे आपको बचना चाहिए।

रात को फल खाने से बचें

ज्यादातर लोग रात के समय फल खा लेते हैं, जो गलत है।रात का खाना हल्का होना चाहिए और खाने से ठीक पहले फल खाना कई तरह से नुकसानदेह हो सकता है।इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि इनमें मौजूद प्राकृतिक शुगर आपको लंबे समय तक जगाए रख सकती है क्योंकि यह ऊर्जा के स्तर को बढ़ाती है।इस कारण रात की बेहतर नींद के लिए सोने से कम–से–कम 2 से 3 घंटे पहले ही फल खा लें।

फलों का जूस न बनाएं

जब आप किसी भी फल का जूस निकालते हैं तो उसकी सारी प्राकृतिक शुगर गिलास में रह जाती है और उसका फाइबर और छिलके वाले पदार्थ बाहर निकल जाते हैं।

इसके बाद जब आप जूस को पीते हैं तो यह आपको अग्नाश्य पर जल्द–से–जल्द चीनी को संसाधित करने के लिए दबाव डाल सकता है। इससे बचाव के लिए या तो साबुत फल खाए या फिर जूस में 50 प्रतिशत पानी मिलाकर पीये।

फलों को काटने के बाद देर तक बाहर न रखें

कुछ लोग फल को काटकर रख देते हैं और फिर लंबे अंतराल के बाद उन्हें खाते हैं। ऐसा करना सही नहीं है।जब आप फल काटते हैं तो ऑक्सीकरण तुरंत शुरू हो जाता है। इससे उनमें पोषण कम हो जाता है और वे तापमान और हवा से जल्दी खराब हो सकते हैं।इस कारण जब भी आपको फल खाना हो उसी वक्त ही उन्हें काटें। इससे उनमें पोषण बरकरार रहेगा।

फल खाने के तुरंत बाद पानी न पीये

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि फल खाने के तुरंत बाद पानी नहीं पीना चाहिए क्योंकि यह शरीर के स्तर को बिगाड़ता है और पाचन समस्याओं का कारण बनता है। इसके कारण आपका पेट फूला हुआ भी महसूस हो सकता है या गैस और अम्लता का अनुभव हो सकता है क्योंकि फल खाने के बाद पानी पीने से पाचन धीमा हो जाता है।इससे बचाव के लिए फल खाने के कम–से–कम 20 से 25 मिनट बाद पानी पीये।

ठंडे फल खाने से बचें

ज्यादातर लोगों को ठंडे फल खाना पसंद होता है। हालांकि, इन्हें सीधे फ्रिज से बाहर निकालकर खाना हानिकारक है।ऐसा इसलिए है क्योंकि ठंडे फल खाने से शरीर को एक छोटा–सा झटका लगता है, जिससे ब्लड सर्कुलेशन में बाधा होती है, त्वचा रूखी होती है और ब्रेन फॉग भी हो सकता है।इनसे बचाव और अधिकतर लाभ पाने के लिए कमरे के तापमान वाले फलों का सेवन करें।

अभी से क्यों और कैसे सर्वे हो रहे हैं?

भारत में राजनीतिक विमर्श को प्रभावित करने वाले कई तत्वों में एक चुनावी सर्वेक्षण भी हैं। आमतौर पर सर्वेक्षण चुनाव के समय होते हैं लेकिन पिछले कुछ समय से यह देखने में आया है कि सर्वेक्षण एजेंसियां चुनाव के कई महीने से पहले से झूठे–सच्चे सर्वे करके राजनीतिक चर्चाओं को दिशा देने का काम करने लग रही हैं। इस साल पांच राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप के राज्यों को लेकर चुनाव पूर्व सर्वेक्षण होने चाहिए। हालांकि उनमें भी यह बताया जाना चाहिए कि जब गठबंधन तय नहीं है और किसी भी पार्टी ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है तो किस आधार पर सीट जीतने–हारने का आकलन किया जा रहा है?

बहुत हैरानी की बात है कि बिना उम्मीदवार की घोषणा के और बिना मुख्यमंत्री के चेहरे की दावेदारी के सर्वे एजेंसियां बता रही हैं कि कौन कितनी सीटों पर जीतेगा। कायदे से एजेंसियों को यह बताना चाहिए कि किस पार्टी को कितना समर्थन है। ज्यादा से ज्यादा किसी पार्टी को मिलने वाले वोट प्रतिशत के बारे में बताया जा सकता है। सीटों के बारे में तो कतई नहीं बताया जा सकता है क्योंकि सर्वे एजेंसियों को भी पता है कि भारत में फर्स्ट पास द पोस्ट का सिस्टम लागू है, जिसमें किसी पार्टी को मिला वोट प्रतिशत और उसे मिली सीटें ज्यादातर समय समानुपातिक नहीं होती हैं। मिसाल के तौर पर 2014 के लोकसभा चुनाव में मायावती की पार्टी को उत्तर प्रदेश में 20 फीसदी वोट मिले थे लेकिन एक भी सीट नहीं मिल पाई थी।

बहरहाल, राज्यों के साथ साथ सर्वेक्षण एजेंसियां और मीडिया हाउस लोकसभा चुनाव का भी सर्वे दिखा रहे हैं और फिर से एनडीए की भारी जीत की भविष्यवाणी कर रहे हैं। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को तीन सौ से ज्यादा और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' को दो सौ से कम सीट का अनुमान जाहिर किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि चुनाव से 10 महीने पहले इस सर्वे की क्या जरूरत है? इस तरह के सर्वे करके और ऐसे नतीजे दिखा कर एजेंसियां और मीडिया समूह किसकी सेवा कर रहे हैं?

दूसरा सवाल यह है कि सीटों की संख्या का अनुमान कैसे निकाला? दोनों गठबंधन में अभी जो पार्टियां उनमें से कई पार्टियों के बारे में तय नहीं है कि वे उसी गठबंधन से लड़ेंगी। यानी अभी पार्टियों का गठबंधन तय नहीं है, न यह तय है कि किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी और कौन कौन सी सीटें मिलेंगी फिर भी सर्वे एजेंसियां बता रही हैं कि कौन सी पार्टी कितनी सीट जीतेगी। बिहार, उत्तर प्रदेश सहित ज्यादातर राज्यों में गठबंधन की सहयोगी पार्टियां पसंद की सीटों के लिए दबाव बना रही हैं। उनको खुद अंदाजा नहीं है कि उनको कौन सी सीट मिलेगी। पर सर्वेक्षण एजेंसियों ने अपनी पसंद की सीटों पर उनकी जीता का अनुमान जाहिर कर दिया। ऐसे ही कामों से इन एजेंसियों की साख बिगड़ी है।

कहीं कोई जवाबदेही नहीं?

नूह और आसपास के इलाकों में जो प्रशासनिक नाकामी सामने आई, क्या उसकी श्रृंखलाबद्ध जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? लेकिन आज जिस चीज का सबसे ज्यादा अभाव है, वह उत्तरदायित्व ही है। और इसीलिए हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

हरियाणा के दंगाग्रस्त नूह इलाके में कार्यरत एक सीआईडी अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि उन्होंने हिंसा की तैयारियों के बारे आगाह करते हुए अपने विभाग को रिपोर्ट भेजी थी। लेकिन उस क्षेत्र के थाना इंचार्ज ने उसी चैनल को बताया कि उन्हें ऊपर से कोई ऐसी चेतावनी नहीं आई। उधर सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के नेता कह रहे हैं कि हथियार दोनों तरफ (यानी हिंदू और मुस्लिम समुदायों में) इक्ट्ठा किए गए थे। मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा है कि राज्य पुलिस की सबकी सुरक्षा की गारंटी नहीं कर सकती (हालांकि इस पर विवाद होने के बाद उन्होंने जानी–पहचानी सफाई दी कि उनकी बात को गलत ढंग से समझा गया)। बहरहाल, यह अहम सवाल है कि खुफिया सूचना को संबंधित पुलिस थाने को ना भेजने के लिए कौन जिम्मेदार था? उधर, इस तर्क से सरकार या सत्ता पक्ष का बचाव कैसे हो सकता है कि मुसलमानों ने भी हथियार इक्ट्ठे किए थे और दोनों तरफ से हिंसा हुई? प्रश्न तो यह है कि दोनों में से कोई पक्ष अगर हिंसा की तैयारी में पहले से जुटा हुआ था, तो राज्य प्रशासन कहां सोया हुआ था?

सीआईडी अधिकारी के बयान की रोशनी में यह सवाल और गंभीर हो जाता है– इसलिए कि तब बात सिर्फ लापरवाही की नहीं रह जाती, बल्कि नीयत का सवाल भी उठ खड़ा होता है। हथियार लेकर शोभा यात्रा निकालने की इजाजत देना और चुनौती के अंदाज में किसी अन्य महजब के धर्म स्थल के सामने से उसे गुजरने की इजाजत देने से जुड़े प्रश्नों की चर्चा हम यहां नहीं कर रहे हैं। हालांकि उत्तर प्रदेश के बरेली में जिस तरह ऐसा होने से रोकने वाले वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के साथ जैसा व्यवहार किया गया, उसके मद्देनजर ये सवाल भी पूरी गंभीरता के मौजूद हैं। अतिरिक्त प्रश्न यह है कि नूह और आसपास के इलाकों में जो प्रशासनिक नाकामी सामने आई, क्या उसकी श्रृंखलाबद्ध जवाबदेही तय नहीं की जानी चाहिए? लेकिन आज के दौर में जिस चीज का सबसे ज्यादा अभाव है, वह उत्तरदायित्व ही है। और इसीलिए हिंसक घटनाओं पर लगाम नहीं लग पा रही है।

पारंपरिक नुणाई मेला सेरवा रोट चढ़ाने के साथ मेले का आगाज

विकासनगर। जौनसार बावर के खत बोंदुर क्षेत्र के मानथात में हर वर्ष अगस्त के शुरू में डांडों से सकुशल अपने घर पहुंचे भेड़ बकरी पालकों के स्वागत में रविवार पारंपरिक नुणाई मेला मनाया गया। इसी के साथ नुणाई पर्व की समाप्ति हुई। रविवार को कांडोई स्थित शिलगुर महाराज के मंदिर में परंपरा के अनुसार सेरवा रोट चढ़ाने के साथ मेले का आगाज हुआ। मंदिर के पुजारी ने देवता की पूजा अर्चना कर मेले की शुरुआत की जिसके बाद सैकड़ों लोगों ने ईश्वर के दर्शन कर मन्नतें मांगी। मानथात में खत बोंदुर से जुड़े 24 से ज्यादा गांवों के लोग मेले में एकत्र हुए। सुबह पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ लोग मेले में पहुंचे और झेंता तांदी रासो आदि नृत्य कर पशुपालकों के सकुशल लौट आने पर खुशियां मनाई। लोक परंपरा के अनुसार नुणाई मेले के दिन रविवार को कांडोई स्थित शिलगुर मंदिर में 21 तरीके के अनाज से बनी सेरवा रोट देवता को अर्पित किया जाता है। स्थानीय बाशिंदे सुनील नौटियाल, खत स्याणा रजनीश पंवार, राजपाल रावत, सूरत सिंह, गीताराम गौड़, क्षेपं सदस्य सौरभ राणा, बाबूराम शर्मा, बचना शर्मा, विजयपाल सिंह आदि का कहना है कि पशुपालकों और क्षेत्र की खुशी के प्रतीक नुणाई मेले का जश्न मनाने के लिए सैकड़ों ग्रामीण जुटते हैं।

भाकियू ने अधिकारियों पर लगाया वादा खिलाफी का आरोप

रुड़की। भारतीय किसान यूनियन तोमर की एक सभा पनियाला मंडल अध्यक्ष तसलीम राव के आवास पर हुई। हरिद्वार जिलाध्यक्ष विकेश बालियान ने बताया कि 17 जून को भाकियू तोमर ने जनपद हरिद्वार के अन्तर्गत रेल रोको आंदोलन का आह्वान किया था। इसके बाद एसडीएम और मजिस्ट्रेट द्वारा आश्वासन दिया गया था कि जो भी समस्याएं हैं वह सरकार तक पहुंचाई जाएंगी। इसके अलावा सरकार से वार्ता कराई जाएगी। लगभग डेढ़ महीना बीत जाने के बावजूद अधिकारियों ने अभी तक सीएम से मुलाकात नहीं कराई है।

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी कैलाश देवली के निधन से शोक की लहर

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड राज्य आंदोलन में सक्रिय रहे रुद्रप्रयाग निवासी राज्य आंदोलनकारी कैलाश चन्द्र देवली के आकस्मिक निधन से रुद्रप्रयाग में शोक की लहर है। हर कोई निधन पर दुख व्यक्त कर रहा है। अलकनंदा नदी किनारे पैतृक घाट गुलाबराय में उनका अंतिम संस्कार किया गया। बीती रात करीब 9 बजे राज्य आंदोलनकारी कैलाश देवली ने अपने निवास स्थान गुलाबराय में ही अंतिम सांस ली। घटना से सम्पूर्ण क्षेत्र ही नहीं रुद्रप्रयाग नगर एवं प्रदेशभर में दुख की लहर दौड़ पड़ी। कैलाश देवली ने राज्य की लड़ाई के लिए लड़े जाने वाले आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई। वह जेल भी गए। जबकि विभिन्न मामलों में वह जनता के आंदोलन में बढ़चढ़क भागदीरी करते रहे। हालांकि उन्हें राज्य आंदोलनकारी के रूप में नौकरी भी मिली किंतु कुछ साल पहले वह सेवानिवृत हो गए थे। उनके निधन पर आंदोलनकारी एवं आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष किशोरी नंदन डोभाल, रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी, केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत, जिपंअ अमरदेई शाह, पूर्व विधायक मनोज रावत, ब्लॉक प्रमुख जखोली प्रदीप थपलियाल, भाजपा जिलाध्यक्ष महावीर पंवार, कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महामंत्री प्रदीप बगवाड़ी, व्यापार संघ के जिलाध्यक्ष अंकुर खन्ना, सामाजिक कार्यकर्ता अशोक चौधरी, व्यापार संघ के अध्यक्ष राय सिंह बिष्ट, भाजपा के पूर्व महामंत्री अजय सेमवाल, यूकेडी के जिलाध्यक्ष बुद्धिबल्लभ ममगाईं, स्थानीय व्यापारी प्रदीप चौधरी, दीपांशु भट्ट व्यापार संघ के पूर्व अध्यक्ष माधो सिंह नेगी, लक्ष्मण बिष्ट सहित बड़ी संख्या में लोगों ने गहरा दुख व्यक्त किया है।

यूकेडी ने किया परवादून की कार्यकारिणी का विस्तार

ऋषिकेश। उत्तराखंड क्रांति दल ने संगठनात्मक जिले परवादून की कार्यकारिणी का विस्तार किया। इसमें योगी पंवार को डोईवाला का नगर अध्यक्ष और धर्मवीर सिंह गुसाईं को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। रविवार को यूकेडी कार्यकर्ताओं ने डोईवाला नगर पालिका सभागार में बैठक की। यूकेडी संरक्षक त्रिवेंद्र सिंह पंवार ने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल आने वाले निकाय, ग्राम पंचायत, जिला पंचायत के चुनाव के लिए तैयारी कर रहा है। निश्चित ही इन चुनाव में उत्तराखंड क्रांति दल के प्रत्याशी जीतकर आएंगे। हम सभी इकाइयों का विस्तार कर रहे हैं। उत्तराखंड क्रांति दल की विचारधारा से लोगों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा की जो भी व्यक्ति पार्टी से जुड़ता है वो आते ही अध्यक्ष का ख्वाब देखने लग जाता है, मगर उसको पहले एक कार्यकर्ता की तरह विश्वास जीतना चाहिए। यह हमारी गलती है कि हम नए–नए आए लोगों को राष्ट्रीय कार्यकारणी में जगह दे देते हैं।

यूकेडी संगठन के जिला अध्यक्ष केंद्रपाल सिंह तोपवाल ने कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए धर्मवीर सिंह गुसाईं को कार्यकारी अध्यक्ष, दामोदर जोशी को जिला उपाध्यक्ष, अवतार सिंह बिष्ट को जिला कोषाध्यक्ष, दिनेश प्रसाद सेमवाल को जिला महामंत्री, योगी पंवार को डोईवाला नगर अध्यक्ष, जोत सिंह गुसाईं को नगर अध्यक्ष सैनिक प्रकोष्ठ डोईवाला नियुक्त किया। कहा कि जल्द ही गांव–गांव जाकर बूथ स्तर पर कार्यकारणी का विस्तार करेंगे।

बैठक में जगदंबा प्रसाद भट्ट, नत्थी सिंह पंवार, केंद्रीय संगठन मंत्री विपिन सिंह रावत, वीरेंद्र सिंह, मुनेंद्र नेगी, जगदीश सिंह सजवान, प्रमिला रावत, कमल सिंह नेगी, श्याम सिंह वर्मा, पिंकी थपलियाल आदि उपस्थित रहे।

संपत्ति विवाद में आमने–सामने हुए पूर्व मेयर और विधायक

रुड़की। लंबे समय से चल रहे एक संपत्ति विवाद में फिर पूर्व मेयर गौरव गोयल और विधायक प्रदीप बत्रा आमने सामने आ गए। इस संबंध में एक पक्ष ने एसएसपी अजय सिंह को शिकायत देते हुए कार्रवाई की मांग की है। रविवार को पूर्व मेयर गौरव गोयल न्यु लगुना होटल के सामने कुछ लोगों के साथ धरने पर बैठ गए। कहा कि अपनी ही जमीन को कब्जा में लेने के लिए एक परिवार दर–दर भटक रहा है। इसलिए वह उनके समर्थन में धरने पर बैठे थे।

ऋषिकेश में हुए संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं–गढ़वाल मंडल विकास निगम के वार्षिक चुनाव

ऋषिकेश। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं–गढ़वाल मंडल विकास निगम के वार्षिक चुनाव में सर्वसम्मति से दिनेश गुरुरानी को दोबारा प्रदेश अध्यक्ष और विजय पुरोहित को महामंत्री बनाया गया। रविवार को भरत भूमि गेस्ट हाउस ऋषिकेश में संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं–गढ़वाल मंडल विकास निगम के वार्षिक चुनाव हुए। इसमें दिनेश गुरुरानी को सर्वसम्मति से 28वीं बार प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश महामंत्री पद का जिम्मा गढ़वाल मंडल विकास निगम के विजय पुरोहित को सौंपा गया। कार्यकारी अध्यक्ष गढ़वाल मंडल विकास निगम के जोगिंदर लाल और संजय भट्ट को बनाया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी ने कहा कि निगम के कर्मचारियों ने विगत 27 वर्षों से उनके ऊपर भरोसा किया है, वह कर्मचारियों की लंबित समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष करेंगे। नई कार्यकारिणी के साथ निगम के किसी भी आवासगृह को पीपीपी मोड में देने का पुरजोर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गढ़वाल मंडल विकास निगम और कुमाऊं मंडल विकास निगम में वर्षों से संविदा पर कार्य कर रहे कर्मियों का नियमितीकरण और समान वेतन दिलवाना ही उनकी प्राथमिकता है। नवनियुक्त महामंत्री विजय पुरोहित ने कहा कि शीघ्र ही जनपदों में कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा और केंद्रीय कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।मौके पर सुरेश पंवार, किशन पंवार, संजय भट्ट, कंचन चंदोला, पितांबर दुमका, जयपाल बिष्ट, सुमेर सिंह, अनिल जोशयाल, त्रिभुवन पुनेठा, धर्मानंद जोशी, महेंद्र कुमार, नरेंद्र थापा, प्रीति डिमरी, उमा देवी, प्रेम रावत आदि उपस्थित रहे।

चेक बाउंस के दोषी को छह माह की सजा

नई टिहरी। अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत ने चेक बाउंस के मामले में दोषी को छह माह की सजा के साथ एक लाख 55 हजार रुपये का अर्थदंड जमा करने का आदेश सुनाया है। अधिवक्ता सोहन सिंह रावत ने बताया कि यशपाल सिंह निवासी बरांशबाड़ी ने 11 अगस्त को 2021 को तहरीर देते हुये बताया कि राजकुमारी पत्नी वीरेंद्र सिंह राणा निवासी विशना मोहल्ला उत्तकाशी हाल निवासी देहरादून को जान पहचान के नाते उनके भवन निर्माण के लिये उन्होंने कर्ज के तौर पर एक माह के लिये एक लाख रुपये दिये। कर्ज की रकम चुकाने के बदले में 12 अप्रैल 2021 को अभियुक्त ने उन्हें अपने बैंक खाते का एक लाख रुपये का चेक दिया।

श्रीदेव सुमन विवि और यूसर्क के बीच एमओयू साइन

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विवि मुख्यालय बादशाहीथौल और उत्तरखंड विज्ञान शिक्षा एंव अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून के मध्य एमओयू साइन हुआ है,जिससे छात्रों को विज्ञानी शिक्षा में बढ़ावा मिलेगा। श्रीदेव सुमन विवि बादशाहीथौल के कुलपति प्रो.एनके जोशी ने बताया कि बीते शनिवार को श्रीदेव सुमन विवि और उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एंव अनुसंधान केंद्र (यूसर्क) देहरादून के बीच हस्ताक्षर हुये एमओयू के तहत अनुसंधान और नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता, विवि परिसर में एनएसएस और एनसीसी स्वंय सेवकों के मध्यम से समाज में स्वास्थ्य और स्वचछता को लेकर जागरुकता फैलने, छात्रों के बीच विज्ञान शिक्षा को बढ़-ावा देने, छात्रों की क्षमता निर्माण, संस्थानों के बीच शैक्षणिक वृद्धि करना एंव जैव विविधता दिवस आदि शामिल है।

विवि कुलपति ने बताया कि उक्त समझौता से छात्रों को विज्ञानी शिक्षा के साथ विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने में मद्द मिलेगी।

बताया यूसर्क निदेशक प्रो. अनीता रावत ने एमओयू के करार पर प्रशंसा जाहिर की है। मौके पर प्रो. गुलशन कुमार ढ़ींगरा और यूसर्क के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

फुलसैनी के लिए मैजिक वाहन सेवा शुरू

विकासनगर। सहसपुर के दूरस्थ गांव फुलसैनी के लिए रविवार से सार्वजनिक परिवहन सेवा की सुविधा मिलनी शुरू हो गई। विधायक सहदेव पुंडीर ने मैजिक वाहन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अब करीब तीन हजार की आबादी को गांव तक पहुंचने के लिए पैदल दूरी नहीं नापनी पड़ेगी।

विधायक ने बताया कि पूर्व में मैजिक वाहन सेवा का संचालन आईएसबीटी से मसंदावाला तक ही होता था।

जिससे ग्राम ग्राम पंचायत गुजराड़ा, करनपुर, फुलसैनी समेत आसपास के अन्य ग्रामीणों को इस मैजिक सेवा का लाभ नहीं मिल पाता था। जनता को अपने दुपहिया वाहन या पैदल दूरी तय करके ही आवागमन करना पड़ता था। अधिकांश क्षेत्र वन विभाग से सटा होने के कारण क्षेत्रवासियों को आवागमन के दौरान जंगली जानवरों का भी खतरा रहता था। ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए विधायक ने तत्काल उत्तराखंड परिवहन विभाग के संभागीय अधिकारी को मैजिक सेवा संचालन को मसंदावाला से आगे बढ़ाते हुए फुलसैनी चौक तक करने हेतु निर्देश दिए थे। परिवहन विभाग की स्वीकृति मिलने के बाद रविवार से परिवहन सुविधा शुरू हो गई है। विधायक ने कहा कि सहसपुर विधानसभा के प्रत्येक गांव तक यातायात की सुविधा मुहैया कराना प्राथमिकता है।

मंत्री जोशी ने किया दृढ़ संकल्प स्मारिका का विमोचन

देहरादून। काबीना मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को कैंप कार्यालय में डांडी कांठी क्लब संस्था की स्मारिका ह्यदृढ़ संकल्प का विमोचन किया। मंत्री जोशी ने कहा कि स्मारिका में डांडी कांठी क्लब की ओर से उत्तराखंड की संस्कृति स्थानीय परंपराओं एवं स्थानीय पर्वों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया है।

उन्होंने कहा कि क्लब की ओर से सामाजिक सरोकारों को बढ़ावा देने के साथ–साथ अपनी संस्कृति एवं सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर रखने प्रयास प्रसंशनीय है। कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष विजय भूषण उनियाल, सचिव कृष्णानन्द भट्ट, मंडल अध्यक्ष प्रकाश बडोनी, नगर निगम पार्षद नरेश रावत, सलाह-ाकार चन्द्रदत्त सुयाल, मीडिया प्रभारी ललित मोहन लखेड़ा, मंडल अध्यक्ष राकेश रावत आदि मौजूद रहे।

बारिश थमते ही बाजार में भीड़ उमड़ने से लगा जाम

विकासनगर। बारिश थमते ही रविवार को बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ के कारण पूरे दिन मुख्य बाजार के साथ ही गलियों में भी जाम लगता रहा। इस दौरान यात्रियों के साथ ही व्यापारियों और खरीदारी करने आए ग्राहकों भी परेशानियों से जूझना पड़ा।

रविवार को सुबह दस बजे से ही विकासनगर बाजार में खरीददारी के लिए भीड़ उमड़नी शुरु हो गई थी। बारिश थमने और रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण नौकरी पेशा लोग भी खरीदारी के लिए बाजार पहुंचे।

अधिकांश लोग बारिश के डर से अपने वाहनों को बाजार में लेकर आए थे, जिससे पहाड़ी गली से डाकपत्थर चौक तक जाम लग गया। करीब आधा किमी का दायरा तय करने में वाहनों को आधा घंटा से अधिक का समय लगा। यह स्थिति दिन में कई बार पैदा हुई। दिन भर बाजार में वाहन रेंगते रहे।

नाबालिग से सामूहिक दुराचार के दो आरोपी गिरफ्तार

विकासनगर। उत्तरकाशी के पुरोला क्षेत्र की चौदह वर्षीय नाबालिग के साथ त्यूणी क्षेत्र में सामूहिक दुराचार के मामले में पुलिस ने नामजद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना त्यूणी में अपहरण, दुराचार और पॉक्सो ऐक्ट में मुकदमा दर्ज किया है। आरोपियों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल करा दिया है।

परिजनों ने नाबालिग को लेने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद पुलिस नाबालिग को नारी निकेतन भेजने की तैयारी में है।

उत्तरकाशी के पुरोला क्षेत्र की एक चौदह वर्षीय किशोरी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कुछ लोगों ने उसे अपने प्रेमजाल में फंसाकर दो अगस्त को त्यूणी बुलाया। बताया कि आरोपी सोनू निवासी रडू तहसील त्यूणी और दिक्षू निवासी बलाउट बंगाण तहसील मोरी उत्तरकाशी ने त्यूणी में उसके साथ दुराचार किया। यही नहीं कुछ अन्य लोगों को बुलाकर आरोपी हिमाचल के रोहडू टिकोची से लेकर त्यूणी हनोल तक होटलों और जंगल में उसके साथ चार अगस्त तक दुराचार करते रहे। किसी तरह वह आरोपियों के चंगुल से भाग निकली। इस मामले में त्यूणी पुलिस ने दोनों नामजद आरोपियों सोनू और दिक्षू को गिरफ्तार कर दिया है। दोनों आरोपियों को पुलिस को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया है। थानाध्यक्ष त्यूणी आशीष रवियान ने बताया कि नाबालिग का उपजिला चिकित्सालय विकासनगर में मेडिकल कराया गया है।

कार्ड प्रोटेक्शन स्कीम के झांसे में ठग लिए 90 हजार

देहरादून। क्रेडिट कार्ड पर प्रोटेक्शन स्कीम लगी होने और उसका मासिक चार्ज 2500 रुपये बताकर हटाने के नाम पर साइबर ठगों ने महिला के कार्ड से 90 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। इंस्पेक्टर पटेलनगर सूर्यभूषण सिंह नेगी ने बताया कि नेहा शर्मा निवासी पीएनबी एंक्लेव, शिमला बाईपास रोड ने तहरीर दी। कहा कि 24 जुलाई को अनजान नंबर से फोन आया। बात हुई तो एक महिला बोल रही थी। उसने नेहा को बताया कि उनके पास आईसीआईसीआई बैंक का जो क्रेडिट कार्ड है, उस पर कार्ड प्रोटेक्शन स्कीम लगी है। उसका मासिक खर्च महंगा बताया। महिला ने हटाने को कहा। इसके बाद पहले कार्ड एक बार बंद कर फिर एक्टिवेट होने का झांसा दिया। पीड़ित महिला से उनके कार्ड की जानकारी लेकर उससे 90 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। पीड़िता की तहरीर पर अज्ञात साइबर साइबर ठग के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

प्रदेश सरकार को जनहित के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं: उक्रांद

विकासनगर। उत्तराखंड क्रांति दल की पछुवादून जिला कार्यकारिणी का सम्मेलन डाकपत्थर रोड कार्यालय में रविवार को संपन्न हुआ। कार्यकारिणी में उक्रांद को प्रदेश सत्ताधारी पार्टी बनाने के लिए जनता तक पहुंचने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही भू कानून लागू कराने के लिए राजनैतिक प्रस्ताव पारित किया गया। वक्ताओं ने प्रदेश सरकार पर जन विरोधी नीतियों का अपनाने का आरोप लगाया। कार्यकारिणी के समापन पर राज्य आंदोलनकारियों को राज्य प्राप्ति पुरोधा सम्मान से नवाजा गया।उक्रांद के केंद्रीय संरक्षक सुरेंद्र कुकरेती ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि वर्तमान सरकार को जनहित के मुद्दों से कोई सरोकार नहीं है। सिर्फ अनर्गल बयानबाजी कर प्रदेश की जनता को बरगलाने का काम कर रही है। जबकि प्रदेश की मूलभूत समस्याएं आज भी मुंह बाए खड़ी हैं। चाहे वह मूल निवास 1950 का मामला हो, प्रदेश में भू कानून लागू करने की बात हो, हमारी बहन बेटियों की सुरक्षा की बात हो, युवाओं के रोजगार की बात हो, या प्रदेश में व्याप्त भ्रष्टाचार की बात हो। सरकार का रवैया केवल इन मुद्दों को टालने मात्र का रहा है। कहा कि वर्तमान सरकार की नीति शराब सस्ती और शिक्षा महंगी की नीति है। उन्होंने कहा कि बीते 23 साल में जो सरकारें प्रदेश की अस्थाई राजधानी का मुद्दा न हल कर पा रही हो, जो लोकायुक्त की नियुक्ति न कर पा रहीं हो, उससे किसी भी अन्य मुद्दे की हल होने की उम्मीद जनता को नहीं है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष गणेश काला, जिला उपाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह नेगी, सैनिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष पूरण प्रसाद भट्ट, जिला महामंत्री मायाराम ममगाईं, देवेंद्र कंडवाल, मनोज कंडवाल, अतुल बेंजवाल, जितेंद्र पंवार, प्रकाश भट्ट, बीना पंवार, विजय लक्ष्मी, सावित्री जोशी, कमला घिल्डियाल, मनोरमा डोभाल, अनिता चमोली, आशा पंवार, उर्मिला थपलियाल, शांति डंगवाल, सुशीला कल्पवान, आत्माराम, सुमित राणा, मनीष पाल, अरविंद पाल, मदन लाल पाल, सुंदर लाल गैरोला, रतन लाल गोदियाल, सरोजनी ममगाई मौजूद रहे।

लमगौंडी में राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह का हुआ शुभारंभ

रुद्रप्रयाग। लमगौंडी में मन्दाकिनी महिला बुनकर समिति केन्द्र में राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह का शुभारंभ किया गया। भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने बुनकर समिति की महिलाओं के साथ सप्ताह की शुरुआत की। भाजपा राष्ट्रीय महिला मोर्चा के आह्वान पर 4 से 14 अगस्त तक राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह मनाया जा रहा है। कार्यक्रम में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा मन्दाकिनी महिला बुनकर समिति के चैयरमैन डा. हरिकृष्ण बगवाडी को शाल व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। आगामी सात अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर भाजपा महिला मोर्चा के तत्वावधान में जिला मुख्यालयों में रैलियों के माध्यम से आम जनमानस को हथकरघा के प्रति जागरूक किया जायेगा। भाजपा महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल ने कहा कि पूरे प्रदेश में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह मनाया जा रहा है तथा राष्ट्रीय हथकरघा सप्ताह के तहत हथकरघा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले महिलाओं और पुरुषों को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में पर्यावरण सम्मान से सम्मानित प्रभा देवी को भी सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य विपिन सेमवाल,भगत कोटवाल, विनोद देवशाली, कुवरी बर्त्वाल,किरन शुक्ला, सुबोध बगवाड़ी , संजय सेमवाल, पूर्व प्रधान दीपा जुगराण, ममता देवी, संगीता देवी, प्रभा देवी, अनीता देवी, सुलेखा देवी, दुलारी देवी, भुवनेश्वरी देवी, शान्ता देवी व ग्रामीण मौजूद थे।

देवलधार में पौधरोपण किया

चमोली। चरण पादुका गोथल समिति के आह्वान पर ग्रामीणों, भेषज संघ चमोली और केदारनाथ वन्य जीव प्रभाग ने ग्राम देवलधार में पौधरोपण किया।

तीलू रौतेली पुरस्कार से सम्मानित मीना तिवारी ने बताया कि सबको साथ लेकर धरती को हरा भरा करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है

राज्य आंदोलकारियों ने की सख्त भू कानून की मांग

नई टिहरी। उत्तराखंड राज्य आंदोलकारियों ने नई टिहरी के बौराड़ी में हस्तक्षार अभियान चलाकर सरकार से प्रदेश में सख्त भू कानून और मूल निवास लागू करने की मांग की है। बताया उक्त मुद्दों को लेकर नौ अगस्त को राज्य आंदोलनकारी सीएम आवास का घेराव करेंगे। रविवार को राज्य आंदोलनकारी मंच टिहरी ने प्रदेश में भू कानून और मूल निवास लागू करने की मांग को लेकर बौराड़ी के साई चौक में हस्ताक्षर अभियान चलाया। राज्य आंदोलकारी मंच के जिलाध्यक्ष ज्योति प्रसाद भट्ट ने कहा कि जिस उद्देश्य से अगल राज्य मांगा था, वह आज तक पूरा नहीं हो पाया है। कहा कि राज्य में सख्त भू कानून न होने के कारण बाहर के लोग बड़ी मात्रा में उत्तराखंड में जमीनों की खरीद फरोक्त में लगे हैं, और यहां के लोगों को भूमिहीन बनाया जा रहा है। राज्य आंदोलकारी लंबे समय से सरकार से प्रदेश में सख्त भूकानून और मूल निवास लागू करने की मांग करते आ रहे हैं, लेकिन उसे लागू नहीं किया जा रहा है। मंच के जिला उपाध्यक्ष देवेन्द्र नौडियाल ने कहा कि प्रदेश की सरकारों ने अपने राजनीति स्वार्थों के कारण मूल निवास व्यवस्था को समाप्त करने का काम किया है, जिससे प्रदेश का आम जनमानस उपेक्षित महसूस कर रहा है। कहा सरकार उत्तराखंड वासियों के हित में वर्ष 1950 को मूल मानते हुये मूल निवास की व्यवस्था लागू करें,और सख्त भू काननू भी बना जाए, जिससे जमीनों की खरीद पर रोक लगाई जा सके।आगामी नौ अगस्त को सरकार से प्रदेश सरकार से सख्त भू कानून के साथ मूल निवास लागू करने की मांग करेंगे।

श्रीदेव सुमन विवि जागरुकता और विकास कार्यों में करेगा यूसर्क की मदद

नई टिहरी। स्टार्टअप और उद्यमिता सहित सात उद्देश्यों को लेकर श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय तथा उत्तराखंड विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान केन्द्र(यूसर्क) देहरादून बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इसके तहत श्रीदेव सुमन विवि, यूसर्क की ओर से किए जाने वाले अपने अनुसंधान और विकास और जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करेगा।

बीते शनिवार को श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय, बादशाहीथौल का यूसर्क देहरादून के बीच एक एमओयू हस्ताक्षर किया गया। श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी ने बताया कि यह समझौता उन 7 उद्देश्यों को पूरा करेगा, जिसमें अनुसंधान और नवाचार, स्टार्टअप और उद्यमिता, विवि परिसर के एनएसएस और एनसीसी स्वंयसेवको के माध्यम से समाज में स्वास्थ्य और स्वच्छता के मुद्दों पर जागरूकता फैलाना, उत्तराखंड के छात्रों के बीच विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देना, उत्तराखंड के छात्रों के बीच क्षमता निर्माण कार्यक्रम, उत्तराखंड में संस्थानों के बीच शैक्षणिक वृद्धि की दिशा में काम करना एवं राष्ट्रीय विज्ञान प्रौद्योगिकी, पर्यावरण एवं जैव विविधता दिवस आदि को मनाना है। बताया कि इस समझौता ज्ञापन में विश्वविद्यालय की भूमिका एक दूसरे के परामर्श से और वित्तीय व्यवहार्यता को ध्यान में रखते हुए सहयोग के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान करना, हितधारकों, प्रमुख व्यक्तियों, सहयोग के रूप में वित्त पोषण आदि के लिए सहयोग की रूपरेखा स्थापित करना आदि रहेगी। यूसर्क की निदेशक प्रोफेसर डॉ. अनीता रावत ने इस एमओयू करार होने पर खुशी जाहिर की।उन्होंने कहा कि, इस समझौते में श्रीदेव सुमन उत्तराखंड विश्वविद्यालय की भूमिका अहम है। कहा कि श्रीदेव सुमन विवि के सहयोग से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों–स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना, सहयोगात्मक स्वास्थ्य शिक्षा और जागरूकता के साथ विभिन्न यूएसआरसी विज्ञान चेतना केन्द्रों को जोड़ना तथा यूएसईआरसी अपने अनुसंधान और विकास और जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रमों जैसे आउटरीच में श्रीदेव सुमन विवि की सहायता लेगा।

उत्तराखंड: अलौकिक पर्यटन गंतव्य

सुरक्षित और पर्यटन के अनुकूल गंतव्य

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दिल में उत्तराखंड के लिए विशेष स्थान है। उनके कुशल नेतृत्व में हम दुनिया भर के यात्रियों को नया अनुभव प्रदान कर पा रहे हैं। हम राज्य को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं। ऑल वेदर रोड परियोजना, चारधाम रेलवे परियोजना, दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे परियोजना समेत अन्य पर्यटन पहलों जैसी विभिन्न विकास परियोजनाओं के साथ उत्तराखंड के पर्यटन क्षेत्र में अभूतपूर्व समर्थन मिला है। इनका उद्देश्य पहुंच को आसान बनाने के साथ बुनियादी ढांचे और समग्र पर्यटन के अनुभव को बढ़ाना है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करना है कि उत्तराखंड के प्राकृतिक और सांस्कृतिक खजाने सभी के लिए सुलभ हों। आइए हम मिलकर एक संपन्न पर्यटन उद्योग का निर्माण करें, जो न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दे, बल्कि दुनिया को उत्तराखंड की अद्वितीय सुंदरता भी दिखाए।

-पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2030: सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए एक परिवर्तनकारी पहल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड का पर्यटन एक संपन्न उद्योग के रूप में विकसित हो रहा है और विकास के नए मानकों को स्थापित कर दुनियाभर के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है

PICS: DIPR, UTTARAKHAND

बर्फ से ढके हिमालय पर्वत श्रृंखला की गोद में बसा उत्तराखंड प्राचीन काल से ही आध्यात्मिकता और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पहचाना जाता रहा है। अब, उत्तराखंड पर्यटन नीति-2030 के साथ राज्य पर्यटकों को नए अनुभव प्रदान करने के लिए 'वैश्विक पर्यटन केंद्र' बनने को तैयार है। इस दूरदर्शी नीति का उद्देश्य न केवल पर्यटन के लिए, राज्य की क्षमता का विस्तार करना है, बल्कि यहां के सतत विकास को भी सुनिश्चित करना है।

इस नीति के प्रमुख उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में शामिल सभी हितधारकों को सशक्तिकरण करना है, जिससे ये उत्तराखंड की विकास गति से लाभान्वित हो सकें। विभिन्न हितधारकों के लक्ष्यों और हितों को साधते हुए यह नीति एक एकीकृत ढांचा प्रदान करती है, जिससे पर्यटन विकास का मार्ग प्रशस्त होता है।

धार्मिक गंतव्य के रूप में उत्तराखंड की पारंपरिक छवि को पीछे छोड़ते हुए राज्य की नई पर्यटन नीति पर्यटन को और भी आकर्षक बनाने की ओर बढ़ा कदम है। विरासत, धर्म, प्रकृति, वन्य जीवन, स्वास्थ्य और कल्याणकारी योजनाओं को पर्यटन का हिस्सा बनाते हुए उत्तराखंड सरकार यहां आने वाले यात्रियों को अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करना चाहती है। इस नीति के माध्यम से उत्तराखंड आने वाले समय में पूरे वर्ष पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता से लैस होगा। जहां आम सर्दियों और इसके अलावा अन्य मौसम में भी देवभूमि आने का आनंद उठा सकेंगे। ऐसे में इस नीति को उत्तराखंड पर्यटन को बढ़ावा देने वाली नीति कहना तर्कसंगत है।

इस नीति का प्रमुख उद्देश्य वास्तव में पर्यटन से जुड़े ऐसे निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना है, जो पर्यटकों को संपूर्णता प्रदान कर सकें। इसमें राज्य की अनूठी विरासतें, जैसे कि यहां की सांस्कृतिक विरासत और प्राकृतिक खूबसूरती को केंद्र में रखा जाता है और पर्यटन नीति का उद्देश्य इसे एक टूरिज्म क्लस्टर और सर्किट के तौर पर विकसित करना है। ये पहल नए पर्यटन स्थलों के विकास को बढ़ावा देगी। इसके माध्यम से पर्यटकों की जरूरतों को पूरा करने पर भी जोर दिया जाएगा, ताकि देवभूमि में वे नए अनुभव से गुजर सकें।

स्थिरता पर पूरा ध्यान देने के साथ यह नीति उत्तराखंड की पर्यावरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को भी महत्व प्रदान करती है। प्राकृतिक सुंदरता, वन्य जीवन और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने का प्रयास राज्य के पर्यटन विकास का अभिन्न अंग है। यह नीति खोई हुए प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासतों के पुनरुद्धार को सुनिश्चित करने पर जोर देती है। ताकि आने वाली पीढ़ी तक उत्तराखंड एक सुरक्षित और पर्यटन के अनुकूल गंतव्य बना रहे।

डिजिटल युग में उत्तराखंड का लक्ष्य पर्यटकों की बढ़ती अपेक्षाओं को भी पूरा करने की है। तकनीक का लाभ उठाते हुए यह नीति पर्यटकों को उनके घर जैसा आराम पहुंचाने को प्राथमिकता देती है। इसके तहत प्रचार, मार्केटिंग, बुकिंग, आरक्षण और सूचना प्रसार के लिए ऑनलाइन प्लेटफार्मों का उपयोग करना इसमें शामिल है। डिजिटल टूल्स का उपयोग करके उत्तराखंड सरकार पर्यटकों को आराम और भरोसा देना चाहती है, जिससे उन्हें यात्रा के दौरान बेहतर अनुभव मिल सके।

उत्तराखंड पर्यटन नीति 2030 के तहत, राज्य पर्यटन के क्षेत्र में एक आदर्श बदलाव देखने के लिए तैयार है। इसमें नवाचार, स्थिरता और समग्रता को अपनाते हुए उत्तराखंड भारतीय पर्यटन के पटल पर एक नए रूप में उभरने को तैयार है

पर्यटन विकास में निजी क्षेत्र की भूमिका को स्वीकार करते हुए यह नीति आतिथ्य और पर्यटन परियोजनाओं में निजी क्षेत्र के निवेश को प्रोत्साहन देती है। राज्य सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों में अपनी भूमिका को कम करना है, जहां निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा दिया जा सकता है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच यह सहयोगी दृष्टिकोण पर्यटन उद्योग में त्वरित विकास और नवाचार को बढ़ावा देगा।

यह नीति पर्यटन को बेहतर बनाने पर विशेष जोर देती है और यह सुनिश्चित करती है कि उत्तराखंड का विकास टिकाऊ बने व इसकी सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विरासत पर कम से कम प्रभाव पड़े। समावेशी रणनीतियों को बढ़ावा देते हुए इस नीति के माध्यम से स्थानीय समुदायों को भी लाभ पहुंचाना इसमें शामिल है।

यह नीति संतुलित क्षेत्रीय विकास के लिए लोकप्रिय पर्यटन स्थलों के मुद्दों को हल करने पर ध्यान देते हुए उन्नत समाधान पेश करती है। समग्र पर्यटक अनुभव को बढ़ाने के लिए पार्किंग सुविधाओं, शौचालयों, सड़कों, एटीएम और स्वास्थ्य सेवाओं जैसी बुनियादी सुविधाओं में सुधार किया जाएगा। राज्य सरकार आवश्यक बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी प्रदान करके यात्रा के समय को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पर्यटन परियोजनाएं प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में सक्षम हों।

पर्यटन नीति- 2030 ने इस दशक के अंत तक अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को हासिल करने की समयसीमा तय की है। राज्य की अर्थव्यवस्था में सालाना 10 बिलियन अमरीकी डालर का योगदान करने और निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने के महत्वपूर्ण लक्ष्य के साथ राज्य का लक्ष्य एक 'स्थायी पर्यटन पारिस्थितिकी तंत्र' स्थापित करना है। नीति कौशल विकास और समावेशिता पर ध्यान देने के साथ रोजगार के अवसर सृजित करना भी इसमें शामिल है।

PICS: UTDB, UTTARAKHAND

राज्य सरकार चाहती है कि पर्यटक राज्य में ज्यादा समय तक रहें। उनके ठहरने की औसत अवधि बढ़ाकर और विदेशी पर्यटकों की यात्राओं में वृद्धि से यहां के पर्यटन को विशेष मजबूती प्रदान करना प्रमुख उद्देश्य है।

इस नई पर्यटन नीति का दृष्टिकोण पर्यटकों के अनुकूल बुनियादी ढांचा स्थापित करना है, ताकि नए स्थलों के विकास के बाद उन्हें यहां विश्व स्तरीय अनुभव मिल सके। अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लुभावने परिदृश्यों के लिए प्रसिद्ध उत्तराखंड का पर्यटन एक नए दौर में प्रवेश करने वाला है। निश्चित रूप से यह नीति यहां के पर्यटन को नई रूप रेखा प्रदान करने में सक्षम होगी।

उत्तराखंड देवभूमि है। यह प्रदेश जिस तरह कानून-व्यवस्था को सर्वोपरि रखते हुए विकास पथ पर बढ़ रहा है, वह प्रशंसनीय है। यह प्रयास देवभूमि की पहचान बनाए रखने के लिए भी जरूरी है। इसलिए मुझे विश्वास है कि निकट भविष्य में देवभूमि उत्तराखंड पूरे विश्व की आध्यात्मिक चेतना का आकर्षण केंद्र बनेगी और हमें इसी क्षमता के अनुसार उत्तराखंड का विकास करना है।

-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मानसखंड सर्किट

उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र में मानसखंड सर्किट से अर्थव्यवस्था को और भी मजबूती मिलेगी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

PICS: ARUSHI CHAUHAN

उत्तराखंड दिव्य मंदिरों और आध्यात्मिक शक्ति की भूमि है। उत्तराखंड सरकार आध्यात्मिक अनुभव की इच्छा से यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए मानसखंड सर्किट योजना को साकार कर रही है। इस पर्यटन सर्किट में कुमाऊं के विभिन्न जिलों में फैले प्राचीन और पूजनीय मंदिरों को जोड़ा गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कहते हैं कि हमने कुमाऊं में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत योजना बनाई है। कई मंत्रमुग्ध करने वाले धार्मिक स्थल हैं। चिन्हित स्थानों पर बेहतर सड़क संपर्क प्रदान करने के साथ ही सड़कों के चौड़ीकरण का काम भी किया जा रहा है। आइए, मानसखंड सर्किट के पहले चरण में प्रस्तावित कुछ प्रमुख मंदिरों के बारे में जानते हैं:

अल्मोड़ा: उत्तराखंड की खूबसूरत पहाड़ियों के बीच बसा अल्मोड़ा मानसखंड सर्किट में अहम स्थान रखता है। यहां तीर्थयात्री जागेश्वर महादेव, चितई गोलू देवता मंदिर, सूर्यदेव मंदिर कटारमल, कसार देवी मंदिर और नंदा देवी मंदिर जैसे मंदिरों की दिव्य आभा से अभिभूत हो सकते हैं। यहां के मंदिर में विशिष्ट आकर्षण है और ये स्थापत्य कला से संपन्न हैं।

पिथौरागढ़: यहां का परिदृश्य मन को मोह लेता है। यहां दो पवित्र मंदिर स्थापित हैं, जोकि मानसखंड सर्किट का एक अभिन्न हिस्सा है। गंगोलीहाट में प्राचीन पाताल भुवनेश्वर मंदिर और हाट कालिका मंदिर आध्यात्मिक महत्व और नक्काशी के लिए जाने जाते हैं। ये मंदिर मानव मन को आत्मिक शांति प्रदान करते हैं।

बागेश्वर: बागनाथ महादेव मंदिर और बैजनाथ मंदिर प्राचीन काल की भक्ति और स्थापत्य कौशल के प्रमाण हैं। ये मंदिर भगवान शिव को समर्पित हैं। बागनाथ के पास सरयू और गोमती नदी का संगम है। ये मंदिर शांति और आत्मज्ञान की अनुभूति प्रदान करते हैं।

चंपावत: पाताल रुद्रेश्वर गुफा, जिसे गुफा मंदिर के रूप में भी

जाना जाता है। यह मंदिर अपने तमाम रहस्यों के लिए भक्तों और यात्रियों को समान रूप से आकर्षित करता है। इस क्षेत्र के अन्य प्रमुख मंदिरों में पूर्णागिरी मंदिर और देवीधुरा में वाराही देवी मंदिर शामिल हैं। भगवान शिव को समर्पित बालेश्वर मंदिर, उत्कृष्ट पत्थर की नक्काशी के लिए भी विश्व प्रसिद्ध है। यात्री यहां आकर इतिहास और कला का एक साथ आनंद ले सकते हैं।

नैनीताल: मानसखंड सर्किट में नैनीताल भी शामिल है, जो एक लोकप्रिय हिल स्टेशन है। यह अपनी शांत झीलों और प्राकृतिक दृश्यों के लिए जाना जाता है। नैनी झील के किनारे स्थित नैना देवी मंदिर का अपना धार्मिक महत्व है। कैंची धाम मंदिर, हरी-भरी हरियाली के बीच यह स्थान आध्यात्मिक साधकों को शांत वातावरण प्रदान करता है।

ऊधम सिंह नगर: ऊधम सिंह नगर जिला चैती बाला सुंदरी मंदिर के साथ मानसखंड सर्किट में आध्यात्मिक महत्व रखता है। देवी बाला सुंदरी को समर्पित यह मंदिर आश्चर्यजनक वास्तुकला का अद्वितीय उदाहरण है। यह भक्तों को आध्यात्मिक आनंद प्रदान करता है। उत्तराखंड में मानसखंड सर्किट राज्य की समृद्ध आध्यात्मिक विरासत और स्थापत्य कला का प्रतीक बनने की ओर अग्रसर है। जैसे-जैसे यात्री इस आध्यात्मिक यात्रा पर निकलेंगे, उन्हें दिव्य वातावरण में शांति और ज्ञान का लाभ मिलेगा।

डबल इंजन सरकार के प्रयास से उत्तराखंड में पर्यटन योजनाओं के माध्यम से स्थानीय आबादी को रोजगार मिले हैं। साथ ही, इस पहल से राज्य की अर्थव्यवस्था में भी मजबूती आई है

उत्तराखंड में होमस्टे योजना: राज्य की संस्कृति को करीब से अनुभव करने का मौका

PICS: DIPR, UTTARAKHAND

उत्तराखंड को 'देवताओं की भूमि' कहा जाता है। प्रदेश अपने में न केवल लुभावनी प्राकृतिक सुंदरता को समेटे हुए है, बल्कि यात्रियों को होमस्टे के माध्यम से स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का अनुभव करवाने का एक अनूठा अवसर भी प्रदान करता है। ऐसे में, 'दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास योजना' के अंतर्गत चल रहे होमस्टे से न केवल स्थानीय लोगों को स्वरोजगार मिला है, बल्कि यह राज्य की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

उत्तराखंड सरकार द्वारा शुरू की गई 'दीनदयाल उपाध्याय गृह आवास योजना' के अंतर्गत होमस्टे व्यवस्था को गति मिली है। इस योजना का उद्देश्य स्थानीय लोगों को आय का एक स्थायी स्रोत प्रदान करके उनकी आर्थिक स्थिति का उत्थान करना है। योजना के तहत स्थानीय लोगों को अपने ही घरों को घरेलू और विदेशी पर्यटकों की मेहमानदारी का अवसर मिलता है। इस तरह से पर्यटकों को उत्तराखंड के देसी व्यंजनों, स्थानीय संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, पारंपरिक पहाड़ी जीवन शैली और कला को समझने का अवसर मिलता है। इसके माध्यम से वे ऐसे स्थानों तक पहुंच रहे हैं, जिनके बारे में उन्होंने पहले सुना नहीं था।

वर्तमान में, उत्तराखंड पर्यटन विभाग के साथ लगभग 5000 पंजीकृत होमस्टे सूचीबद्ध हैं। इन होमस्टे में हिमालय की गोद में बने आरामदायक कॉटेज से लेकर लकड़ी से बने पारंपरिक घर तक शामिल हैं, जो इस क्षेत्र के वास्तुशिल्प को दर्शाते हैं। हर होमस्टे पर्यटकों को आरामदायक और खातिरदारी करने वाला माहौल प्रदान करता है, जिससे वे स्थानीय समुदाय के साथ जुड़ सकते हैं।

उत्तराखंड में होमस्टे के विकास से प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। ये आवास पर्यटकों को न केवल अनूठा और व्यक्तिगत अनुभव प्रदान करते हैं, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा करके स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा दे रहे हैं। इसके परिणाम स्वरूप उनके योगदान से स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है। होमस्टे मालिक अक्सर आस-पास के कारीगरों, किसानों और सेवा प्रदाताओं के साथ सहयोग करते हैं। इससे स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला और सतत विकास को बढ़ावा मिलता है।

होमस्टे ने राज्य से पलायन को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कहना होगा कि इस योजना ने आमदनी को बढ़ाने के साथ ही स्थानीय लोगों को पलायन न करने व अपने समुदायों को बढ़ावा देने व विकास करने का ठोस आधार प्रदान किया है। इससे राज्य की सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को संरक्षित करने में मदद मिली है। इससे आने वाली पीढ़ियां अपनी जड़ों से जुड़ी रहेंगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि ग्रामीण इलाके पर्यटन के केंद्र बन रहे हैं। साथ ही हर पर्यटन स्थल अपना खुद का राजस्व मॉडल भी विकसित कर सकता है। हमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए होमस्टे और छोटे होटलों जैसे व्यवसायों को बढ़ावा देने की आवश्यकता है

उत्तराखंड में होमस्टे की लोकप्रियता अपने आप में इस बात का प्रमाण है कि यह योजना यात्रियों के दिल को छू रही है। पर्यटक केवल आरामदायक आवास की तलाश नहीं कर रहे होते हैं, बल्कि वे नए गंतव्य और लोगों के साथ अपने संबंध को भी मजबूती देना पसंद कर रहे हैं। होमस्टे योजना दरअसल में प्रदेश के स्थानीय तौर-तरीकों से जुड़ने के साथ ही पर्यटकों के मन में राज्य की एक नई छवि प्रस्तुत कर रही है। वे यहां रहकर खुशनुमा यादें लेकर वापस जा रहे हैं।

PICS: UTDB, UTTARAKHAND

उत्तराखंड का रोमांचक पर्यटन: भर देगा आप में जोश

अपनी विविधता भरे भूभाग और मनोहारी परिदृश्यों के साथ उत्तराखंड ऐसे पर्यटकों के लिए स्वर्ग से कम नहीं है, जो यहां आने के बाद अपनी यात्रा को और रोमांचकारी बनाना चाहते हैं

अपनी विशेष विविध भौगोलिक परिस्थितियों व अप्रतिम नैसर्गिक सुंदरता के बल पर देवभूमि-उत्तराखंड तीर्थयात्रियों व पर्यटकों को हमेशा ही आकर्षित करता रहा है। राज्य ने वैश्विक स्तर पर एक नया आयाम स्थापित किया है और यही कारण है कि दुनिया भर से रोमांचकारी व साहसी पर्यटक यहां आना पसंद करते हैं।

पैराग्लाइडिंग से लेकर पर्वतारोहण तक, बंजी जंपिंग, रिवर राफ्टिंग, ट्रैकिंग से लेकर स्कीइंग तक की विश्व स्तरीय साहसिक पर्यटन की विशेष सुविधाएं उत्तराखंड में सहजता से उपलब्ध हैं।

राज्य के घने वनों में फैली पगडंडियों पर ट्रैकिंग व हाइकिंग मन को खुश करने के अवसर प्रदान करते हैं। एक ओर जहां सघन वनों के बीच से गुजरने वाली विश्वविख्यात रूपकुण्ड की पगडंडियां साहसी व उत्साही पर्यटकों को उत्साह से भर देती हैं, वहीं इसकी मनोहारी प्राकृतिक छवि का दर्शन कर वे मंत्रमुग्ध हो जाते हैं।

दूसरी ओर फूलों की घाटी की सैर पर्यटकों के लिए अपने आप में विशेष अनुभव होता है। केदारनाथ ट्रैक के साथ गोमुख - तपोवन ट्रैक भी ऐसे पर्यटकों के लिए प्रमुख आकर्षण है। ऋषिकेश योग की वैश्विक राजधानी है और अब इसे रोमांचकारी साहसिक गतिविधियों के केंद्र के रूप में भी जाना जाने लगा है। यहां पवित्र गंगा नदी साहसी पर्यटकों के लिए वरदान है। पवित्र गंगा नदी में पर्यटकों के लिए राफ्टिंग, कैनोइंग जैसे साहसिक व रोमांचकारी खेलों की सुविधा उपलब्ध है, जहां पर्यटक प्रकृति के मध्य रोमांचकारी यात्रा के साथ सुंदर दृश्यों का भी आनंद ले सकते हैं।

इसके अलावा, ऋषिकेश में बंजी जंपिंग, जिप लाइनिंग जैसे रोमांचकारी खेल भी उपलब्ध हैं। चमोली जिले में स्थित औली स्कीइंग के दीवानों के लिए स्वर्ग जैसा है। औली की बर्फीली ढलानें व मैदान पेशेवर, कुशल व नौसिखिए सभी स्तर के स्कीयर्स के लिए उपयुक्त हैं। वार्षिक राष्ट्रीय शीतकालीन खेलों का आयोजन भी औली में ही किया जाता है, जो शीतकालीन खेलों व साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

यह कहना सही होगा कि उत्साही, साहसी व जुझारू पर्यटकों के लिए गंगा, टोंस व अलकनंदा नदियां राफ्टिंग का असीमित अवसर प्रदान करती हैं, जहां सैलानी नए अनुभव हासिल करने के लिए इनसे जुड़ते हैं। ये अपने अनुभव को विस्तार देते हैं।

आपने पहले कभी रिवर राफ्टिंग नहीं की है, तो शिवपुरी, देवप्रयाग व कौड़ियाला से आप इसकी शुरुआत कर सकते हैं। उत्तराखंड पर्यटकों को पैरा ग्लाइडिंग का अवसर देता है, जहां पर्यटक खुले आकाश में विचरण करते हुए हिमालय की गोद में बसे नैसर्गिक सौंदर्य की अनुभूति कर पाते हैं। नैनीताल, मुक्तेश्वर और पिथौरागढ़ पैराग्लाइडिंग के प्रमुख केंद्र हैं, जहां से सैलानी हवा में उड़ने का रोमांचकारी अनुभव लेना पसंद करते हैं।

उत्तराखंड के इस पर्यटन उद्योग ने पर्यटकों को आनंददायक अनुभव प्रदान करने के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था में भी योगदान दिया है। एडवेंचर से भरपूर खेलों के आधारभूत संरचना के विकास ने स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए हैं। इसके साथ ही, उन्हें आर्थिक लाभ भी दिया है।

उत्तराखंड में एक्सप्लोर करने के लिए काफी कुछ है, जहां आपको अद्वितीय अनुभव मिलेगा

इन मनमोहक जगहों पर आप जरूर जाएं: प्रकृति की गोद में बसे ये सुरम्य स्थल आपके दिल को छू लेंगे

उत्तराखंड की मनमोहक प्राकृतिक संपदा में कई ऐसे स्थान हैं, जो किसी खजाने से कम नहीं हैं। आप देवभूमि आएं तो इन स्थलों पर जरूर जाएं। पर्यटकों की चहल-पहल भरी जगह से दूर, कम पहचाने जाने वाले ये डेस्टिनेशन आपकी यात्रा को और रोमांचक बना देते हैं। आप प्रकृति से सीधे जुड़ पाते हैं। सुरम्य कार्तिकेय स्वामी मंदिर से लेकर पेओरा के शांत गांव तक, खिर्सू के लुभावने नजारे और मंडल की अछूती सुंदरता जैसे स्थानों का अनूठा आकर्षण है। चौकोरी के हरे-भरे चाय बागानों की सैर करें। खाती गांव की देहाती सुंदरता अवश्य मन मोह लेगी। रमणीय पंगोट में पक्षियों के बीच बर्डवॉच का आनंद लेना न भूलें। ग्वालदम, एबट माउंट, शीतलाखेत और नागथात के शांतिपूर्ण माहौल मन को शीतलता प्रदान करने वाले स्थल हैं।

उत्तराखंड के ये छिपे खजाने आपको अनोखी यात्रा पर जाने के लिए आमंत्रित कर रहे हैं। निश्चित रूप से आप यहां की शांति और प्राकृतिक सुंदरता के कायल हो जाएंगे। सच मानिए आप ऐसे स्थान पर पहुंच सकेंगे, जिनके बारे में आपने पहले कल्पना तक नहीं की होगी। इन स्थलों की यात्रा आपको जीवनभर याद रहने वाली अनुभव देगी। उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड के सीईओ सचिन कुर्वे कहते हैं कि उत्तराखंड के ये कम ज्ञात गंतव्य राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत की झलक पेश करते हैं।

PICS: UTDB, UTTARAKHAND

उदाहरण के लिए कार्तिकेय स्वामी मंदिर, उत्तराखंड के सुंदर परिदृश्य में बसा हुआ है। यह पारंपरिक वास्तुकला और आध्यात्मिक महत्व को दर्शाता है। राज्य के कोने-कोने में हम लीक से हटकर ऐसे गंतव्यों को बढ़ावा दे रहे हैं और हमारा उद्देश्य पर्यटकों को अद्वितीय अनुभव प्रदान करना और स्थायी पर्यटन विकास को बढ़ावा देना है।

CONSUMER CONNECT INITIATIVE

चीन में भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए, 21 घायल

बीजिंग ,एजेंसी। पूर्वी चीन के शेडोंग प्रांत के देझोउ शहर के पिंगयुआन काउंटी में रविवार तड़के भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.5 मापी गयी। भूकंप के झटके से अफरातफरी मचने से कुल 21 लोगों के घायल होने की रिपोर्ट समाने आयी है। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार भूकंप क्षेत्र में कुल 126 इमारतें ढह गईं, जबकि वहां परिवहन, संचार और बिजली आपूर्ति सामान्य थी, और तेल और गैस पाइपलाइनों में कोई रिसाव नहीं पाया गया।चाइना रेलवे बीजिंग ग्रुप कंपनी लिमिटेड के अनुसार बीजिंग, तियानजिन और कांगझोउ से प्रस्थान करने वाली 20 से अधिक ट्रेनों को रोक दिया गया और शिजियाझुआंग–जिनान हाई–स्पीड रेलवे में चलने वाली लगभग 30 ट्रेनों को भी रोक दिया गया। स्थानीय अधिकारियों ने बचाव को व्यवस्थित करने और संभावित खतरों का आकलन करने के लिए एक आपातकालीन प्रतिक्रिया शुरू की है।

आस्ट्रेलिया में भूकंप के झटके महसूस किए गए

सिडनी ,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के कटानिंग में भूकंप के मध्यम झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 5.4 मापी गयी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने यह जानकारी दी।

अमेरीकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार भूकंप का केंद्र 69 किलोमीटर पूर्व, 33.75 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 118.31 डिग्री पूर्वी देशांतर और सतह से सतह से 10.0 किमी की गहराई पर स्थित था।

अमरनाथ यात्रा के लिए 1,626 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना

श्रीनगर , एजेंसी । । एक दिन तक निलंबित रहने के बाद, 1,626 तीर्थयात्रियों का एक काफिला रविवार को अमरनाथ यात्रा के लिए जम्मू से रवाना हुआ।

शनिवार को यात्रा स्थगित कर दी गई थी। अधिकारियों ने बताया कि 1303 पुरुषों, 252 महिलाओं, सात बच्चों, 51 साधुओं और 13 साध्वियों सहित 1626 तीर्थयात्रियों का जत्था एक सुरक्षा काफिले में रविवार को जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ।

1 जुलाई से शुरू होने के बाद से अब तक इस साल 4 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। इस वर्ष की अमरनाथ यात्रा के दौरान बीमारी और अन्य प्राकृतिक कारणों से 36 तीर्थयात्रियों की मौत हो चुकी है। इस वर्ष की 62 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 1 जुलाई को शुरू हुई और 31 अगस्त को रक्षा बंधन त्योहार के साथ श्रावण पूर्णिमा पर समाप्त होगी।

दिल्ली–एनसीआर समेत उत्तर भारत में भूकंप से कांपी धरती

नई दिल्ली , एजेंसी । । राष्ट्रीय राजधानी एवं उसके आसपास के क्षेत्रों में शनिवार रात को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार भूकंप रात नौ बजकर 31 मिनट पर आया और रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 5 8 मापी गयी है।भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के हिंदूकुश क्षेत्र में 36.38 डिग्री उत्तरी अक्षांश पर और 70.77 डिग्री पूर्व देशांतर पर स्थित था एवं इसकी गहराई 181 किलोमीटर पर थी।

भूकंप के झटके दिल्ली एवं राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), जम्मू कश्मीर, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं पंजाब में भी महसूस किए गए। भूकंप से अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की कोई जानकारी नहीं मिली है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने महिलाओं की शिक्षा पर दिया जोर

कहा– अर्थव्यवस्था में वह दे सकती हैं बड़ा योगदान

चेन्नई, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को कहा कि शिक्षित महिलाएं अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान दे सकती हैं, विभिन्न क्षेत्रों में नेतृत्व प्रदान कर सकती हैं और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने मद्रास विश्वविद्यालय के 165वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय लगभग 1.85 लाख छात्र विश्वविद्यालय और उससे संबद्ध महाविद्यालयों में पढ़ रहे हैं और उनमें से 50 प्रतिशत से अधिक लड़कियां हैं।

उन्होंने आगे कहा,मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आज स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले 105 छात्रों में से 70 फीसद छात्राएं हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि मद्रास विश्वविद्यालय लैंगिक समानता का एक ज्वलंत उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हम लड़कियों की शिक्षा में निवेश करके अपने देश की प्रगति में निवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षित महिलाएं अर्थव्यवस्था में अधिक योगदान दे सकती हैं, विभिन्न क्षेत्रों का नेतृत्व कर सकती हैं और समाज पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने संबोधन में कहा कि 1857 में स्थापित इस विश्वविद्यालय को भारत के सबसे पुराने आधुनिक विश्वविद्यालयों में से एक होने का गौरव प्राप्त है। उद्धव ठाकरे गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि 2014 में जो उनके मुद्दे थे उन पर तो बात हो जाए। वह (प्रधानमंत्री) मन की बात करने लगे हैं लेकिन जन की बात नहीं करते। नई संसद का उद्घाटन हो गया संसद का सत्र चल रहा है लेकिन अभी तक एक दिन नई संसद में सत्र नहीं लगा।

नई संसद में अबतक नहीं चला सत्र: प्रियंका चतुर्वेदी

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद का मानसून सत्र अबतक मणिपुर हिंसा सहित कई मुद्दों को लेकर हंगामेदार रहा है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि नई संसद का उद्घाटन हो गया है, लेकिन अबतक एक दिन भी नई संसद में सत्र नहीं चला।

2014 में जो उनके मुद्दे थे उन पर तो बात हो जाए। वह (प्रधानमंत्री) 'मन की बात' करने लगे हैं, लेकिन 'जन की बात' नहीं करते। नई संसद का उद्घाटन हो गया, संसद का सत्र चल रहा है, लेकिन अभी तक एक दिन नई संसद में सत्र नहीं लगा।

उन्होंने कहा कि क्या संसद को एक संग्रहालय के रूप में कार्य करने के लिए बनाया गया था? बता दें कि मानसून सत्र की शुरुआत से पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने नई संसद को राष्ट्र को समर्पित कर दिया था और राजनीतिक हलकों में ऐसी संभावना जताई जा रही थी कि इस बार का मानसून सत्र नई संसद में हो सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ।

नई संसद में सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मई माह के आखिरी सप्ताह में नई संसद को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा था कि यह 140 करोड़ भारतीय नागरिकों की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब है। साथ ही उन्होंने कहा था कि आज पूरी दुनिया भारत को आदर और उम्मीद के भाव से देख रही है।

चांद के ऑर्बिट में पहुंचा चंद्रयान–3, इसरो को मिली बड़ी सफलता, कामयाबी की काउंटडाउन शुरू

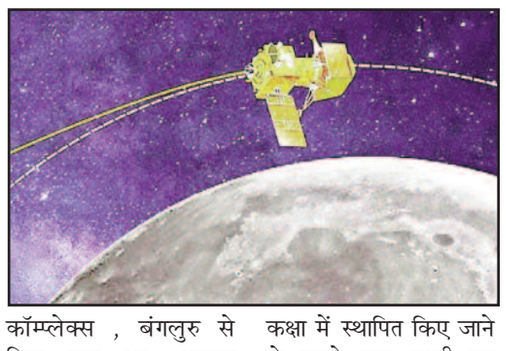

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को शनिवार को बड़ी सफलता मिली है। उसने 22 दिन के सफर के बाद चंद्रयान–3 को शनिवार देर शाम चंद्रमा की कक्षा में सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया है। अब यह चंद्रमा का तेज गति से चक्कर लगाएगा। इससे पहले 14 जुलाई को हुई लांचिंग के बाद चंद्रयान–3 ने शुक्रवार तक दो तिहाई दूरी तय कर ली थी। सबकुछ ठीक रहा तो 23 अगस्त को चंद्रयान–3 की चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग करवाई जाएगी। इसरो ने ट्वीट किया कि यह चंद्रयान–3 है। मैं अभी लूनर ग्रैविटी फील कर रहा हूं। चंद्रयान–3 सफलतापूर्वक चंद्रमा की कक्षा में स्थापित हो गया है। पेरिल्यून में रेट्रो–बर्निंग का कमांड मिशन ऑपरेशंस कॉम्प्लेक्स , बंगलुरु से दिया गया था। अगला ऑपरेशन ञ्च रिडक्शन ऑफ ऑर्बिट– 6 अगस्त, 2023 को लगभग रात 11 बजे निर्धारित है। पहली अगस्त को चंद्रयान–3 को पृथ्वी की कक्षा से ऊपर उठाया गया था और चंद्रमा की ओर बढ़ाने की प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा किया गया था। यान को ट्रांसलूनर कक्षा में डाला गया था। पिछले महीने हुई लांचिंग के बाद से अब तक चंद्रयान–3 को कक्षा में ऊपर उठाने की प्रक्रिया पांच बार पूरी की जा चुकी है। चंद्रमा की कक्षा में स्थापित किए जाने से पहले यान पृथ्वी का चक्कर लगा चुका है।

चंद्रयान–3 भारत का तीसरा चंद्र मिशन है। इस बार भी वैज्ञानिकों का टारगेट चंद्रमा की सतह पर लैंडर को सॉफ्ट लैंड कराना है। चार साल पहले 2019 में चंद्रयान–2 मिशन आखिरी वक्त में विफल हो गया था। तब अंतिम क्षणों में लैंडर विक्रम के पथ विचलन के चलते सॉफ्ट लैंडिंग नहीं करवाई जा सकी थी। इसी वजह से इसरो ने इस बार चंद्रयान–3 में कई तरह के बदलाव भी किए हैं।

हैवानियत की हदें पार

चोरी के शक में मासूमों को पिलाया पेशाब, प्राइवेट पार्ट में डाली मिर्ची

सिद्धार्थनगर , एजेंसी । उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले में दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां पथरा थाना क्षेत्र में दो बच्चों के साथ हैवानितय की हदें पार कर दी गई। जानकारी के मुताबिक क्षेत्र में स्थित एक मुर्गी फार्म में दो मासूम घुसे थे। जिन्हें कुछ लोगों ने पकड़ लिया।

दोनों बच्चों को पेट्रोल के इंजेक्शन लगाया गया, फिर पेशाब पिलाया। इतने से मन नहीं भरा तो एक बच्चे के गुदाद्वार में मिर्ची डाल दी गई। इतना ही नहीं इन बच्चों के साथ क्रूरता करते हुए उसका वीडियो बनाया और फिर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

इन दोनों बच्चों में एक बच्चा महज 6 से 7 साल का है। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए पुलिस ने 6 लोगों को

पूरा मामला जान दहल जाएगा दिल

हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बुधवार को मुर्गी फॉर्म से 2000 रुपये गायब हो गए थे। शक के आधार पर उन लोगों ने मानसिक रूप से कमजोर दो नाबालिगों को चाय पिलाने के बहाने अपने दुकान पर बुलाया फिर अपने अन्य सहयोगी के साथ ऐसी हैवानियत की जिससे लोगों की रूह कांप गई। इसके बाद आठों लडक़ों ने बारी–बारी एक बोतल में पेशाब कर इन दोनों नाबालिगों को जबरन पिलाया।

दोनों के हाथ–पैर बांध दिए और निर्वस्त्र कर शरीर में पेट्रोल भरकर इंजेक्शन लगाया। दोनों के कपड़े उतरवाकर नाजुक अंगों में हरी मिर्च तोडक़र डाल दी और पूरी वारदात का वीडियो भी बना लिया।

बच्चों की मां और पिता ने पुलिस को तहरीर दी जिनमें पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों पर कुकर्म, पॉक्सो सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया। इन आरोपियों में उमेद, मोहम्मद आकिब, अब्दुल स?द्द, रफीउल्लाह, शेरअली और दीपक को गिरफ्तार कर लिया गया है। मुख्य आरोपी सउद्द और शप्पू अभी भी फरार है। सभी आरोपी पथरा थाने के निवासी बताए जा रहे।

इस संदर्भ में अपर पुलिस अधीक्षक अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि मामले का संज्ञान लिया गया है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 6 लोगों को हिरासत में लिया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बेसहारा पशु को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर खाई में गिरी, 6 लोगों की मौत

इकौना , एजेंसी । बौद्ध परिपथ पर अदुआपुर के निकट एक कार पेड़ से टकराकर खाई में पटल गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत छह लोगों की मौत हो गई, जबकि घायल चालक का इलाज इकौना सीएचसी में चल रहा है। जानकारी के अनुसार नेपाल गंज के त्रिभुवन चौक निवासी वैभव गुप्ता सात लोगों के साथ कार से बलरामपुर शहर स्थित रिश्तेदारी में आए थे।

देर रात वह नेपालगंज जा रहे थे। इस दौरान इकौना क्षेत्र के अदुआपुर के निकट बौद्ध परिपथ पर बेसहारा मवेशी को बचाने के चक्कर में कार अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई और सडक़ किनारे खाई में पलट गई। हादसे की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक महिला नाथ उपाध्याय टीम के साथ मौके पर पहुंचे और कटर से कार का दरवाजा कटवाकर घायलों को बाहर निकलवाया।

पाकिस्तान में बड़ा रेल हादसा

पटरी से उतरे हजारा एक्सप्रेस के 10 डिब्बे, अब तक 30 की मौत, कई घायल

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान में बड़े रेल हादसे की खबर है। पाकिस्तानी मीडिया के अनुसार, रावलपिंडी से चलने वाली हजारा एक्सप्रेस के 10 डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। इस हादसे में अब तक 30 लोगों की मौत की खबर है। 100 के करीब लोगों के घायल होने की खबर है। हादसा सहारा रेलवे स्टेशन के नजदीक हुआ। यह स्टेशन शहजादपुर और नवाबशाह के बीच स्थित है।

हादसे में प्रभावित लोगों को नवाबशाह के मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ट्रेन के बेपटरी होने की वजह अभी तक पता नहीं चल सकी है। अधिकारी जांच कर रहे हैं। पाकिस्तानी मीडिया ने पाकिस्तानी रेलवे के डिविजनल सुपरीटेंडेंट सुकुर मोहम्मदुर रहमान के हवाले बताया है कि आठ से10 बोगियां पटरी से उतरी हैं। पुलिस का कहना है कि प्रभावित बोगियों में से यात्रियों को निकाल लिया गया है। नजदीकी अस्पतालों में इमरजेंसी घोषित कर दी गई है।

हादसे का शिकार हुई हाजरा एक्सप्रेस में वही इंजन लगा हुआ था, जो इसी साल मार्च में हवेलियां से कराची जाने वाली ट्रेन में लगा था। बता दें कि वह ट्रेन भी रेलवे अधिकारियों की लापरवाही से भीषण हादसे का शिकार होने से बाल–बाल बची थी। वहीं बीते दिनों ही कराची से सियालकोट जा रही अल्लामा इकबाल एक्सप्रेस के तीन डिब्बे पटरी से उतर गए थे। हालांकि इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई थी। पाकिस्तान में रेल हादसे आम होते जा रहे हैं। बीते एक दशक में पाकिस्तान में कई बड़े रेल हादसे हुए हैं और बीते सालों में इनमें तेजी आई है।

दक्षिणी कोरिया में गर्मी से लोग परेशान, स्काउट जंबूरी के युवाओं को होटल आवास में किया शिफ्ट

दक्षिणी कोरिया ,एजेंसी। दक्षिण कोरिया में दम घोंटू गर्मी ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया है। यहां इन दिनों विश्व स्काउट जंबूरी में भाग लेने वाले हजारों यूके और यूएस स्काउट्स गर्मी से परेशान हो गए हैं। अब इन युवाओं के शिविर को हटाकर होटलों में शिफ्ट किया जा रहा है।

इस सप्ताह शुरू हुए इस आयोजन में 158 देशों से 43,000 युवा स्काउट्स शामिल हुए हैं, जिनमें ब्रिटेन का दल सबसे बड़ा 4,500 है। दक्षिणी कोरिया में गर्मी के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। सैकड़ों युवाओं को दवाई की जरूरत पड़ी है। दो दिन पहले 138 लोगों ने गर्मी से संबंधित बीमारियों के साथ क्लिनिकों और अस्पतालों का दौरा किया, जिससे कुल संख्या 700 से अधिक हो गई।

एक बयान में, यूके स्काउट्स ने कहा कि युवाओं और वयस्क स्वयंसेवकों को होटल आवास में ले जाना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, चूंकि हम सबसे बड़े दल हैं, हमारी आशा है कि इससे साइट पर दबाव कम करने में मदद मिलेगी।

इसमें कहा गया है : जब हम जंबूरी में थे, यूके की स्वयंसेवी टीम ने आयोजकों के साथ बहुत मेहनत की है, हमारे युवा सदस्यों और वयस्क स्वयंसेवकों को उन्हें बनाए रखने के लिए पर्याप्त भोजन और पानी, असामान्य रूप से गर्म मौसम से आश्रय प्रदान करने के लिए, और इस पैमाने के आयोजन के लिए उपयुक्त शौचालय और धुलाई की सुविधाएं उपलब्ध करवाई है।

मणिपुर: महिलाओं से बर्बरता मामले में पांच पुलिसकर्मी निलंबित

आईजी रैंक के अधिकारी करेंगे शस्त्रागार लूट की जांच

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर पुलिस ने उस इलाके के थाना प्रभारी सहित पांच पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है जहां चार मई को भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना हुई थी। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि 19 जुलाई को घटना का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद मणिपुर पुलिस ने थौबल जिले के नोंगपोक सेकमई पुलिस थाने के प्रभारी और चार अन्य पुलिसकर्मियों को निलंबित करने का फैसला किया। घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले अधिकारियों ने बताया कि मणिपुर पुलिस राज्य में हिंसा के चक्र को खत्म करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जो तीन मई को बहुसंख्यक मैतई और आदिवासी कुकी समुदाय के बीच शुरू हुआ था।

उन्होंने कहा कि पुलिस यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि कानून और व्यवस्था में गिरावट के मुद्दे को तत्काल आधार पर संबोधित किया जाए। अधिकारियों ने कहा, 'उदाहरण के लिए,सेना और असम राइफल्स सहित अन्य एजेंसियों की मदद से हम आवश्यक आपूर्ति को अधिशेष मात्रा में रखने में कामयाब रहे हैं।'

अधिकारियों में से एक ने कहा, यह खेती का मौसम है और हम पूरी तरह से शांति लौटने का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए हमें इसका प्रबंधन करना होगा। इसका मतलब है कि पुलिस बल को तलहटी में स्थानांतरित करना होगा, जहां प्रसिद्ध काले चावल के लिए खेती की जाती है। विभिन्न मामलों में अब तक करीब 300 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष के दौरान कई जीरो एफआईआर दर्ज की गई हैं और हर दावे की जांच की जानी है।

अधिकारियों ने बताया कि बिष्णुपुर जिले के नारनसीना में स्थित दूसरी इंडिया रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के मुख्यालय से हाल ही में हथियारों और करीब 19,000 गोलियों की लूट के संबंध में समयबद्ध जांच शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि महानिरीक्षक रैंक का एक अधिकारी जांच का नेतृत्व कर रहा है जो छह सप्ताह के भीतर पूरी हो जाएगी।

उन्होंने बताया कि चुराचांदपुर की ओर मार्च करने के लिए तीन अगस्त को वहां भीड़ जमा हुई थी, जहां आदिवासी उसी दिन राज्य में हुई जातीय झड़पों में मारे गए अपने लोगों को सामूहिक रूप से दफनाने की योजना बना रहे थे।

अधिकारियों ने कहा कि पिछले महीने हवाईअड्डे के बाहर महानिरीक्षक रैंक के एक अधिकारी पर हमले के बाद 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। नगा मारिंग महिला की 15 जुलाई को नृशंस हत्या के सिलसिले में पांच मीरा पैबिस (महिला मशाल वाहक) सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा, 'मणिपुर में बिना किसी घटना के एक दिन को 'हिंसा की अनुपस्थिति' कहा जाता है और इसे सामान्य चीज के रूप में नहीं देखा जाता है. चीजें सामान्य होने से पहले अभी लंबा रास्ता तय करना है। मणिपुर में अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा दिए जाने की मैतई समुदाय की मांग के विरोध में पहाड़ी जिलों में 'आदिवासी एकजुटता मार्च' आयोजित किए गए थे जिसके बाद तीन मई से शुरू हुए जातीय संघर्ष में 160 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और सैकड़ों लोग घायल हो गए थे।

धोखाधड़ी : नाम का एक अक्षर बदलकर लूटे 3.56 लाख रुपये

नई दिल्ली , एजेंसी। ऑनलाइन जॉब और पोस्ट लाइक करके पैसा कमाने के नाम पर धोखाधड़ी के मामले अब लगातार सामने आ रहे हैं। वहीं पिछले कुछ महीनों में स्कैम के नए–नए केस भी देखने मिल रहे हैं। स्कैमर्स धोखाधड़ी के लिए नए–नए हथकंडे अपना रहे हैं। अब नाम का एक अक्षर बदलकर स्कैमर्स ने एक व्यक्ति को 3.56 लाख रुपये की चपत लगाई है। हल्ड के रिटायर हेल्थ ऑफिसर को डिजिटल ठगी का शिकार बनाया गया है।

साइबर इकोनॉमिक्स और नारकोटिक्स क्राइम स्टेशन में दर्ज कंप्लेंट के अनुसार, 78 साल के रिटायर हल्ड ऑफिसर को धोखाधड़ी का शिकार बनाया गया है। मदद के नाम पर उनके साथ स्कैम किया गया है। अपनी शिकायत में रिटायर ऑफिसर ने बताया कि उन्हें एक अकाउंट से ईमेल मिला था, जो उनके दोस्त के नाम से था।

बता दें कि पीड़ित के दोस्त का ईमेल आईडी है। यानी दोनों ईमेल में सिर्फ एक 'र' का फर्क है। फर्जी ईमेल में रिटायर ऑफिसर को पहले तो खुद के दादा बनने की जानकारी दी जाती है, जिस पर पीड़ित उसे बधाई देते हैं।

इसके बाद पीड़ित को एक और अन्य मेल मिलता है, जिसमें उन्हें लंदन से भारत आने की फ्लाइट छूट जाने का जिक्र किया जाता है और पत्नी की तबियत खराब होने की बात कही जाती है, साथ ही कुछ पैसों की मदद भी मांगी जाती है। दोस्ती का फर्ज निभाते हुए पीड़ित उनकी मदद करने के लिए तैयार हो जाते हैं और उन्हें पैसे दे देते हैं। पहला ईमेल 26 जुलाई को आता है।

ऐसे ही मदद के नाम पर पीड़ित से 26 जुलाई से 31 जुलाई के बीच कुल 3.56 लाख रुपये ट्रांसफर करवा लिए जाते हैं। यह राशि उन्होंने कोटक महिंद्रा बैंक अकाउंट से ट्रांसफर की थी, जिसका जिक्र उन्होंने अपनी शिकायत में किया है। बाद में जब पीड़ित को धोखाधड़ी का अंदेशा होता है तो वह पुलिस को मामले की जानकारी देते हैं और धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करवाते हैं। पुलिस अब मामले की जांच कर रही है।

कुलगाम मुठभेड़ में शहीद कश्मीरी सैनिक सुपुर्द–ए–खाक

श्रीनगर ,एजेंसी । कुलगाम मुठभेड़ में शहीद हुए जम्मू–कश्मीर के बांदीपोरा जिले के एक सैनिक को रविवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ सुपुर्द–ए–खाक किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि बांदीपोरा के दाचीगाम इलाके से ताल्लुक रखने वाले सिपाही वसीम अहमद भट्ट को रविवार को पूरे सैन्य सम्मान के साथ उनके पैतृक गांव में सुपुर्द–ए–खाक किया गया। शुक्रवार को कुलगाम जिले के हलाण वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ में ड्यूटी के दौरान भट्ट गोली लगने से शहीद हो गए थे।31 वर्षीय भट्ट सेना के उन तीन जवानों में शामिल थे, जिन्हें कुलगाम जिले के हलाण ऑपरेशन के दौरान गंभीर रूप से घायल होने के बाद 92 बेस अस्पताल ले जाया गया था, जहां कुछ ही देर बाद उन सभी ने दम तोड़ दिया। रविवार सुबह सैनिक का पार्थिव शरीर सैन्य अस्पताल श्रीनगर से उनके पैतृक गांव दाचीगाम बांदीपोरा ले जाया गया।

कुलदीप अच्छी गेंदबाजी कर रहा है, इसलिए टीम उसका समर्थन कर रही है: चहल

प्रोविडेंस, लेग स्पिनर यूज़वेंद्र चहल जानते हैं एकदिवसीय प्रारूप में कुलदीप यादव को उन पर प्राथमिकता क्यों दी जा रही है और वह एशिया कप और विश्व कप की टीम में जगह बनाने को लेकर चिंतित नहीं हैं। चहल को वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला में अंतिम एकादश में नहीं लिया गया था। उन्होंने पहले टी20 मैच में हिस्सा लिया जो इंडियन प्रीमियर लीग के बाद उनका पहला मैच था। उन्होंने इस मैच में अपने पहले ओवर में दो विकेट लेकर अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराई। भारत यह मैच चार रन से हार गया था।

चहल ने दूसरे टी20 मैच से पहले कहा, टीम संयोजन हमारी प्राथमिकता है और इसमें कुछ नया नहीं है। सातवें नंबर पर हम अमूमन रविंद्र जडेजा या अक्षर पटेल को उतारते हैं। अगर विकेट स्पिनरों के अनुकूल हो तो तभी हम तीन स्पिनर उतारते हैं।

उन्होंने कहा, कुलदीप वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा है और वह शानदार लय में है और इसलिए टीम उसका समर्थन कर रही है। मैं नेट पर कड़ा अभ्यास करता हूं ताकि जब भी मुझे मौका मिले मैं उसका फायदा उठा सकूं।

सभी का ध्यान अक्टूबर–नवंबर में भारत में होने वाले विश्वकप से पहले वनडे पर है लेकिन चहल ने जनवरी के बाद से इस प्रारूप में कोई मैच नहीं खेला है। यह 33 वर्षीय खिलाड़ी हालांकि इस बात से खुश है कि वह टीम का हिस्सा है।

चहल ने कहा, हम पेशेवर क्रिकेटर हैं। मैं दो महीने के बाद खेल रहा हूं। इससे पहले मैंने अपना आखिरी मैच आईपीएल में खेला था। यह सब तैयारियों से जुड़ा हुआ है। यह कोई व्यक्तिगत खेल नहीं है। इसमें आपको टीम के लिए खेलना होता है। ऐसा भी समय आता है जबकि खिलाड़ी को दो श्रृंखलाओं में बाहर बैठना पड़ता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे टीम का हिस्सा नहीं हैं।

राज्य स्तर पर शतरंज के खिलाड़ी रहे चहल ने कहा, मुझे बहुत खुशी है कि मुझे हर दिन टीम की जर्सी पहनने का मौका मिलता है। मैं कोई घर में नहीं बैठा हूं। मैं टीम के साथ यात्रा कर रहा हूं। मैं टीम का हिस्सा हूं।

उन्होंने कहा, मैं शतरंज का खिलाड़ी रहा हूं जो व्यक्तिगत खेल है लेकिन क्रिकेट टीम खेल है। इसमें टीम में शामिल 15 खिलाड़ियों में से 11 को ही खेलने का मौका मिलता है।

एशिया कप कैंप 24 अगस्त से होगा शुरू, केएल राहुल और बुमराह होंगे शामिल

नई दिल्ली,30 अगस्त से शुरु होने वाले एशिया कप को लेकर तैयारियां चालू हो गयी हैं. ऐसे में 24 से 29 अगस्त तक टीम के खिलाडियों का कैंप नेशनल किक्रेट एकेडमी में चलेगा. जिसमें लंबे समय से चोटिल चल रहे खिलाड़ी केएल राहुल और बुमराह भी शामिल होने वाले हैं. इस बार एशिया कप हाइब्रिड मॉडल पर खेला जाना हैं. जहां भारत 2 सितंबर को अपना पहला मैच पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा.

24 से 29 अगस्त टीम के खिलाडियों का कैंप नेशनल किक्रेट एकेडमी में शुरु होने जा रहा हैं. जिसमें चोटिल चल रहे खिलाड़ी केएल राहुल और बुमराह भी शामिल होने वाले हैं. जबकि संजू इस में शामिल नहीं होंगे. ऐसे में ये तो साफ हो गया हैं कि सैमसन एशिया कप का हिस्सा नहीं होंगे.ऐसे में बीसीसीआई अधिकारी के हवाले से कहा गया कि यह कैंप एशिया कप टीम के लिए होगा. अगर संजू सैमसन एशिया कप के लिए चुने जाते है तो वह केवल अंतिम दो दिन कैंप में रिपोर्ट करेंगे. आयरलैंड सीरीज के बाद संजू को ब्रेक की जरूरत होगी. बहुत कम समय में बहुत सारे मैच और यात्राएं होंगी. दो दिन के ब्रेक के बाद बुमराह कैंप में रहेंगे.वेस्टइंडीज के खिलाफ जारी टी20 सीरीज के बाद टीम इंडिया के मुख्य खिलाड़ी एशिया कप की तैयारी के लिए जुटेंगे. वहीं एक दूसरी टीम तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलने आयरलैंड जाएगी. जहां जसप्रीत बुमराह इस टीम के कप्तान हैं. संजू सैमसन भी इस टीम का हिस्सा हैं।

पाकिस्तान टीम का रास्ता हुआ साफ, विदेश मंत्रालय ने भारत आने की दी मंजूरी

नई दिल्ली, पाकिस्तान पांच अक्टूबर से भारत में होने वाले वनडे विश्व कप में टीम भेजने के लिए तैयार हो गया है। पाकिस्तानी विदेश कार्यालय (एफओ) ने रविवार को बताया, पाकिस्तान का हमेशा से ये मानना रहा है कि खेल को राजनीति से अलग रखना चाहिए। इसलिए हमने तय किया है कि हम आगामी आइसीसी विश्व कप में भाग लेने के लिए अपनी टीम भेजेंगे।

पाकिस्तान टीम को मिली हरी झंडी

एफओ ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान अधिकारियों को भारत में टीम की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी हुई है। हम इन चिंताओं से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आइसीसी) और बीसीसीआइ को अवगत करा रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि भारत दौरे के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट टीम की पूरी सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। इससे पहले, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विश्व कप में टीम के प्रतिनिधित्व पर निर्णय करने के लिए समिति का गठन किया था। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की अध्यक्षता वाली इस समिति ने निर्णय लिया था कि विश्व कप से पहले एक सुरक्षा जांच दल इस महीने भारत का

दौरा करेगा। यह दल उन स्थलों का दौरा करेगा, जहां पाकिस्तानी टीम अपने मैच खेलेगी।

15 अक्टूबर को होनी है भिड़ंत

भारत और पाकिस्तान की भिडंत वर्ल्ड कप 2023 में 15 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में होनी है। हालांकि, अभी इस महामुकाबले की तारीख में बदलाव हो सकता है। माना जा रहा है कि दोनों टीमों के यह मैच 14 अक्टूबर को खेला जा सकता है।

वनडे वर्ल्ड कप में अजेय टीम इंडिया

भारतीय टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ वनडे विश्व कप में आजतक हार का मुंह नहीं देखा है। दोनों टीमों के बीच कुल सात बार भिड़ंत हुई है और सातों बार बाजी टीम इंडिया ने मारी है। 2019 में इंग्लैंड की धरती पर भारत और पाकिस्तान की टीम आखिरी बार 50 ओवर के विश्व कप में भिड़ी थी, जब भारतीय टीम ने एकतरफा अंदाज में बाजी मारी थी।

सूर्यकुमार यादव ने रनआउट होकर गंवाया विकेट, सोशल मीडिया पर फूटा फैन्स का गुस्सा

नई दिल्ली । सूर्यकुमार यादव का फ्लॉप शो थमने का नाम नहीं ले रहा है। वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टी–20 मुकाबले में भी सूर्या अपनी बल्ले की चमक नहीं बिखेर सके।

भारतीय बल्लेबाज सिर्फ तीन गेंद तक ही मैदान पर टिक सका और रनआउट होकर अपना विकेट गंवाया। काइल मेयर्स के डायरेक्ट थ्रो ने सूर्या की एक और फ्लॉप इनिंग का अंत किया।

फिर किया सूर्या ने निराश

शुभमन गिल के सस्ते में पवेलियन लौटने के बाद सूर्यकुमार यादव दूसरे टी–20 मुकाबले में भी नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे। हालांकि, सूर्या इस मैच में सिर्फ अपना खाता ही खोल सके। दरअसल, दूसरे ओवर की तीसरी गेंद पर ईशान किशन ने हल्के हाथों से शॉट खेला और रन लेने के लिए दौड़ पड़े। सूर्यकुमार ने भी बेहद तेजी से दौड़ लगाई, लेकिन उनसे पहले काइल मेयर्स का डायरेक्ट थ्रो स्टंप तक पहुंच गया। सूर्या अनलकी रहे और सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए।

सूर्यकुमार का फ्लॉप शो जारी

सूर्यकुमार यादव का वेस्टइंडीज दौरे पर फ्लॉप शो लगातार जारी है। पहले टी–20 मुकाबले में सूर्या 21 गेंदों का सामना करने के बाद सिर्फ 21 रन ही बना सके थे। वहीं, वनडे सीरीज में भी उनका बल्ला पूरी तरह से खामोश रहा था। पहले वनडे में सूर्या के बल्ले से 19 रन निकले थे, तो दूसरे मैच में भारतीय बल्लेबाज ने 25 गेंदों का सामना करने के बाद 24 रन बनाए थे। तीसरे वनडे में सूर्या ने 35 रन बनाए थे। यानी इस दौरे पर पांच पारियां खेलने के बावजूद सूर्या के बल्ले से अब तक एक भी अर्धशतक नहीं निकल सका है।

फिल्मी दुनियां

जेलर का ट्रेलर जारी, 72 की उम्र में दिखा रजनीकांत का स्वैग

सिने उद्योग के सुपर सितारे रजनीकांत उम्र के 72वें पडाव पर भी बतौर नायक आकर अपने दर्शकों और प्रशंसकों का मनोरंजन कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म जेलर है जिसे पैन इंडिया के तौर पर प्रदर्शित किया जा रहा है। यह फिल्म इस महीने की 10 तारीख को प्रदर्शित होने जा रही है। निर्माता निर्देशक तमिल, तेलुगु, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में इसे प्रदर्शित कर रहे हैं। इसके चलते हिन्दी भाषी क्षेत्रों में इसका गदर–2 और ओएमजी–2 से मुकाबला होगा। थलाइवा का स्वैग फैंस के दिलों पर जादू करने वाला है। इससे पहले निर्माता–निर्देशक ने सुपरस्टार रजनीकांत और तमन्ना भाटिया स्टारर अपकमिंग मूवी जेलर का धांसू ट्रेलर रिलीज कर दिया है। जो धुआंधार एक्शन और जबरदस्त डायलॉग्स से लबरेज है। सामने आए मूवी के ट्रेलर में थलाइवा का जादू फैंस के दिलों पर चढ़ता दिखा। अपनी अगली मूवी जेलर में रजनीकांत टाइगर मुथुवेल पांडियन नाम के जेलर का किरदार निभाते दिख

रहे हैं। जो परिवार के लिए विनम्र और सिंपल है। लेकिन दुश्मनों के लिए किसी खूंखार टाइगर से कम नहीं हैं। इस ट्रेलर में जितना जबरदस्त रजनीकांत का स्वैग लगा है। उतने ही खतरनाक बॉलीवुड स्टार जैकी श्रॉफ लगे हैं। जो फिल्म में मेन विलेन के रोल में हैं। ट्रेलर से गायब दिखीं तमन्ना भाटिया सामने आए ट्रेलर में अदाकारा तमन्ना भाटिया की झलक नहीं दिखी है। रिलीज हुए ट्रेलर में अदाकारा राम्या कृष्णन रजनीकांत की पत्नी के किरदार में नजर आई हैं। जबकि, जैकी श्रॉफ खूंखार विलेन के रोल में दिखे हैं। इसके अलावा मूवी में मलयालम सुपरस्टार मोहनलाल में नजर आईं। साथ ही दिग्गज स्टार सुनील, शिवा राजकुमार और योगी बाबू जैसे सितारे भी हैं। अदाकारा तमन्ना भाटिया पर फिल्माया गया मूवी का गाना कावल्ला भी हिट रहा है। बता दें कि मेकर्स इस मूवी को 10 अगस्त के दिन रिलीज करने वाले हैं। ट्रेलर को मूवी रिलीज से सिर्फ 1 हफ्ते पहले ही रिलीज किया गया है। ऐसे में ये मूवी लेट प्रमोशन की वजह से भी चर्चा में रही है। थलाइवा रजनीकांत का क्रेज तो तमिल सिने प्रेमियों के सिर पर चढक़र बोलता ही है। ऐसे में अभी से ही दावा किया जा रहा है कि ये मूवी थियेटर्स पर ब्लॉकबस्टर रहेगी।

नितिन के एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन का गाना डेंजर पिला रिलीज़

नितिन आगामी फिल्म एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी मैन में धमाल मचाने के लिए तैयार हैं, जिसका निर्देशन वक्कन्थम वामशी ने किया है और इसमें मुख्य भूमिका में खूबसूरत श्रीलीला हैं। फिल्म के पहले एकल, डेंजर पिल्ला की हालिया रिलीज ने प्रशंसकों के बीच काफी उत्साह पैदा किया। आज, पूरे गीत का अनावरण किया गया, जिसने कृष्णकांत की गीतात्मक क्षमता और अरमान मलिक की मनमोहक गायकी से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। गाने की सुंदरता हैरिस जयराज की सुखदायक रचना से और भी बढ़ गई है। नितिन के स्टाइलिश डांस मूव्स और श्रीलीला का आकर्षण ग्लैमर का एक अतिरिक्त स्पर्श जोड़ते हैं। शेखर मास्टर द्वारा कोरियोग्राफ किया गया यह गाना संगीत और प्रदर्शन का एक आदर्श मिश्रण है।

आशिकी 3 में नहीं बनेगी कार्तिक और फातिमा की जोड़ी, नई अभिनेत्री को किया जाएगा लॉन्च

अनुराग बसु की आशिकी 3 पिछले काफी समय से सुर्खियों में बनी हुई है, जिसमें कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका निभाएंगे। फिल्म की शूटिंग अगले साल शुरू होने की उम्मीद है, लेकिन अभी तक इसकी मुख्य अभिनेत्री का चयन नहीं हुआ है। हालांकि, कई बार अलग–अलग अभिनेत्रियों के इसका हिस्सा बनने की खबरें सामने आती रहती हैं। बीते दिनों फातिमा सना शेख का नाम सामने आया था तो अब नई अभिनेत्री को लॉन्च करने पर विचार किया जा रहा है।हाल ही में द नाइट मैनेजर के प्रमोशन के दौरान आदित्य रॉय कपूर ने कार्तिक और फातिमा के आशिकी 3 में नजर आने का जिक्र किया था।

बातचीत के दौरान जब आशिकी के निर्माता मुकेश भट्ट से आशिकी 3 में फातिमा के होने के

बारे में पूछा गया तो उन्होंने साफ इनकार किया। उन्होंने कहा, नहीं, यह वह अभिनेत्री नहीं है, जिसका आप उल्लेख कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि यह बात कहां से आई।

भट्ट ने कहा, हर कोई जानता है कि हमने फिल्म के लिए कार्तिक को चुना है। मुख्य अभिनेत्री की तलाश स्क्रिप्ट पूरी होने के बाद ही होगी। बिना पटकथा तय किए कोई फिल्म कुछ भी नहीं है। उन्होंने कहा, मेरे लिए स्क्रिप्ट पहले आती है और फिर उसकी कास्ट। साथ ही आशिकी सीरीज के लिए संगीत भी बहुत जरूरी है।

फिल्म ओह माय गॉड 2 का ट्रेलर रिलीज, भगवान शिव के दास बने अक्षय

ओह माय गॉड 2 पिछले काफी समय से चर्चा में है। इसकी रिलीज को लेकर दर्शकों के बीच गजब का उत्साह है।फिल्म की रिलीज को लेकर कई तरह के कयास लगाए जा चुके हैं। पिछले दिनों यह चर्चा जोरों पर थी कि फिल्म तय तारीख पर रिलीज नहीं हो पाएगी। दरअसल, यह अपने कुछ दृश्यों को लेकर विवादों में थी। अब आखिरकार आज यानी 3 अगस्त को इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर के मुताबिक, अक्षय कुमार भगवान शिव के दास बने हैं, जबकि पहले वह इसमें भगवान शिव की भूमिका में दिखने वाले थे। सेंसर बोर्ड के सुझावों के बाद निर्माताओं ने उनके किरदार में बदलाव किया है। शिव के अवतार में अक्षय प्रभावी लग रहे हैं, वहीं यामी गौतम वकील के किरदार में जंच रही हैं।शिव के भक्त बने पंकज त्रिपाठी भी आकर्षित करते हैं।ट्रेलर देख अक्षय के प्रशंसकों ने अभी से फिल्म को ब्लॉकबस्टर बता दिया है।

जूही चावला ने किया अपनी फिल्म फाइडे नाइट प्लान का ऐलान, बाबिल खान ने दिया साथ

भाई–बहन के साथ बड़ा होना अपने साथ कई उपहार लेकर आता है। यह किसी को गहराई से प्यार करने और उससे नफरत करने की क्षमता सिखाता है। ज़ोर–शोर से लडऩा, लेकिन फिर उनके बचाव में आने या एक इकाई के रूप में टीम बनाने के लिए किसी भी हद तक जाना। यह अटूट बंधन दर्शकों को आगामी फिल्म फ्राइडे नाइट प्लान में देखने को मिलेगा। प्यार और हंसी की इस अविस्मरणीय यात्रा का निर्देशन वत्सल नीलकांतन ने किया है और इसका निर्माण रितेश सिधवानी, कासिम जगमगिया और फरहान अख्तर, एक्सेल एंटरटेनमेंट द्वारा किया गया है। आगामी फिल्म, फ्राइडे नाइट प्लान का टीज़र आज, 4 अगस्त को जारी किया गया। फिल्म में, बाबिल खान एक बेवकूफ बड़े भाई की भूमिका निभा रहे हैं, और उनके किरदार का पार्टनर–इन–क्राइम उनका शरारती छोटा भाई जयन है,

जिसे अमृत ने शानदार ढंग से निभाया है। वे सर्वश्रेष्ठ जोड़ी हैं, जो वर्ष की सबसे शानदार, सबसे घटित होने वाली पार्टी को जीतने के लिए तैयार हैं – बेशक अपनी मां की अनुपस्थिति में, जूही चावला द्वारा अभिनीत। फ्राइडे नाइट प्लान काला के बाद बाबिल खान की नेटफ्लिक्स के साथ दूसरी प्रस्तुति होगी। इसके बारे में बोलते हुए, युवा अभिनेता ने कहा, वास्तविक जीवन में एक छोटा भाई होने के कारण, यह फिल्म मेरे लिए बहुत प्रासंगिक लगती है। यह एक दिल छू लेने वाली यात्रा है जो हमारे अपने दुस्साहस की यादें ताज़ा कर देती है। यह एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ मेरी पहली प्रस्तुति है और काला के बाद नेटफ्लिक्स के साथ मेरा दूसरा सहयोग भी है, और मैं इस परियोजना का हिस्सा बनकर अधिक रोमांचित नहीं हो सकता। एक्सेल एंटरटेनमेंट में हम इस दिल छू लेने वाली फिल्म को दुनिया के सामने पेश करते हुए बहुत खुश हैं! यह हमारी पहली हाई स्कूल फिल्म है और इसके साथ आने वाली सभी मजेदार, शरारतें और बढ़ते दर्द हैं।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा
प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074,
9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com